छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 317 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 16 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

भैसामुंडा सर्किल के रेवटी क्षेत्र में मिला बाघ का शव, वन महकमे में मचा हड़कम्प

3 से 4 दिन पूर्व हो चुकी थी मौत, शव पर पाया गया चोट का निशान, गायब मिला एक नाखून

छ.ग.फ्रंटलाइन

सूरजपुर/जरही। सूरजपुर जिले के घुई वन परिक्षेत्र अंतर्गत कक्ष क्रमांक 705 में बाघ का शव मिलने से वन महकमे में हड़कम्प मच गया है। वन विभाग शव बरामद कर जांच पड़ताल में जुटा है। भैसामुंडा सर्किल के रेवटी क्षेत्र में यह शव मिला है। जंगल में मिले बाघ के शव पर चोट के स्पष्ट निशान पाए गए हैं, जबकि एक नाखून के गायब होने से शिकार या तस्करी की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। घटनास्थल से लोहे का एक हथियार भी बरामद किया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाघ की मौत लगभग तीन से चार दिन पूर्व हो चुकी थी, लेकिन इतने समय तक शव का जंगल में पड़ा रहना वन विभाग की गश्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। नियमित गश्त, कैमरा ट्रैप और निगरानी दल की प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जंगल क्षेत्र में वन अमले की उपस्थिति सीमित रहती है, जिससे असामाजिक तत्वों को गतिविधियों का अवसर मिल जाता है। घटना की सूचना मिलते ही बलरामपुर और सूरजपुर वन मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। बाघ के शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई है। वन विभाग का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। साथ ही पूरे क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

टाइगर रिजर्व क्षेत्र में मिली लाश

घुई वन परिक्षेत्र का बड़ा हिस्सा गुरु घासीदास-तैमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में पहले भी बाघों की आवाजाही दर्ज की जाती रही है। बताया जा रहा है कि मृत बाघ को वन विभाग के द्वारा ट्रेस नहीं किया गया था। आशंका है कि यह बाघ वाड्रफनगर या बिहारपुर वन परिक्षेत्र से होते हुए घुई रेंज में पहुंचा होगा।

वन्यजीवों की सुरक्षा सवालों के घेरे में

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड के जंगलों के बीच बाघों का मूवमेंट लगातार बना रहता है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में बाघ की संदिग्ध मौत ने वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वन विभाग मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दिया है इनका टारगेट शिकारियों को तलाशकर गिरफ्त में लेना है।

सघनता से की जा रही जांच

बाघ के मौत की सूचना के बाद पूरी टीम सक्रिय है। मौत कैसे हुई यह तो पोस्टमार्टम रिपोट से ही पता चलेगा, लेकिन साक्ष्य जुटाने के लिए डॉग स्क्वाड की मदद ली जाएगी। डॉक्टर व अधिकारियों की टीम की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की जाएगी।

डीआर साहू
डीएफओ, सूरजपुर

सीसीटीव्ही से खुली पोल, आवेदिका ने थाने में बढ़ा-चढ़ा कर दर्ज कराया रिपोर्ट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली पुलिस ने एक मामले की जांच में पाया कि आवेदिका के द्वारा थाने में बढ़ा-चढ़ाकर न सिर्फ रिपोर्ट दर्ज कराया गया, बल्कि सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिए भ्रमित करने का प्रयास किया है। पुलिस ने आवेदिका के घर पर लगे सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर सत्यता की जांच की है।

जानकारी के मुताबिक गौसियानगर खरसिया चौक के पास रहने वाली आवेदिका तहरूम निशा पति अब्दुल रहमान अंसारी ने 26.11.25 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि असगर अली, जावेद अली, मोबारक अली, मंजूर एवं एहतराम मिलकर विगत रात्रि घर में उसके साथ मारपीट और धक्का मुक्की किए, इस दौरान सोने का चैन कहीं गिर गया। रिपोर्ट पर 26.11.25 को पुलिस ने धारा 351 (2),115(2), 191(2), 331(6), 324(2) बी.एन.एस. का मामला पंजबद्ध करके विवेचना में लिया था। पुलिस ने विवेचना के दौरान आवेदिका के ठिकाने पर जाकर उसके घर के पास लगे सीसीटीव्ही फुटेज का अवलोकन किया। प्राप्त वीडियो फुटेज के अनुसार घटना के समय 25.11.25 की रात्रि वह स्वयं बाहर निकलकर आरोपियों से विवाद करते हुए दिखी है। अनावेदकों के द्वारा आवेदिका के घर में प्रवेष नहीं किये है। अनावेदकों के द्वारा जिस भूमि पर निर्माण किया जा रहा है, वह 4 डिसमिल भूमि प्रार्थिया के भाई से खरीदने के बाद अनावेदकों के द्वारा निर्माण कराया जा रहा है। आवेदिका का बचत 2 डिसमिल भूमि को छोड़कर अनावेदकों ने अपनी भूमि पर निर्माण कराया है, परंतु स्थगन आदेश नहीं होने पर निर्माण कार्य बंद है। प्रार्थिया द्वारा अनावेदकों के विरूद्ध थाना कोतवाली में गंभीर धाराओं के अंतर्गत बढ़ा-चढ़ा कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। वर्तमान में स्थगन आदेश के फलस्वरूप निर्माण कार्य बंद होने के बावजूद आवेदकों द्वारा लोगों को स्वयं एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक जानकारी देकर भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है एवं सोशल मीडिया उपयोगकर्ता द्वारा बिना सत्यता की जांच किए भ्रामक जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट की जा रही है। सरगुजा पुलिस ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि किसी भी घटना की सत्यता की जांच किए बिना अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भ्रामक जानकारी अपलोड न करें ना ही इस प्रकार के पोस्ट को बढ़ावा दें।

खेत में लगे सोलर पंप, केबल वायर और पाइप की चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेत में लगे सबमर्सिबल सोलर पम्प संयंत्र को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया, घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र की है। चोरी गए सामानों की कीमत करीब 12 हजार रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक ग्राम भगवानपुर निवासी बहादुर राम कुशवाहा सुजला योजना के मेसर्स एसजी इंटरप्राइजेस योजनांतर्गत 10.11.2023 को तीन एचपी का सोलर सबमर्सिबल पंप सयंत्र का मोटर, केबल तार 4 एमएम का 55 मीटर, रोप वायर 55 मीटर, एचडीपीई पाइप अपने भगवानपुर खुर्द स्थित खेत में लगाया था। 10.12.2025 को रात्रि 9 बजे तक मेरा सोलर सबमर्सिबल पंप सयंत्र खेत में सुरक्षित था। 11.12.2025 को शाम लगभग 4 बजे जब वह अपने खेत में गया तो सबमर्सिबल पंप सयंत्र का मोटर, केबल वायर, पाइप नहीं था। आसपास तलाश के बाद भी चोरी गए सामानों का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

पिकअप पलटने से 4 गौवंश की मौत, 5 घायल, वाहन छोड़कर भागे तस्कर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र में गौ तस्करी का मामला सामने आया है। घटना का पर्दाफास सोमवार को तड़के उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। पिकअप में क्रूरतापूर्वक परिवहन किए जा रहे 9 गौ वंश में 4 की मौके पर ही मौत हो गई, 5 गौवंश घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक सोमवार को तड़के लगभग 4 बजे बतौली-बिलासपुर मुख्य मार्ग से एक पिकअप वाहन में अवैध रूप से गौवंश को भरकर ले जाया जा रहा था। पिकअप का चालक तेज रफ्तार में वाहन चला रहा था, जिस कारण पिकअप वाहन सड़क के किनारे पलट गई। पिकअप में लोड गौवंश सड़क पर गिर गए, कुछ पिकअप में ही छटपटाते नजर आए। हादसे के बाद वाहन चालक और गौ तस्करी में शामिल लोग मौके से फरार हो गए। गौवंश की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकले, वहीं गौ सेवक भी मौके पर पहुंच गए थे। इन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों और गौ सेवकों की मदद से पुलिस ने पिकअप वाहन में दबे घायल गौवंशों को बाहर निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सूचना पर बतौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गौवंश को बचाने का प्रयास शुरू किया गया। घटना की पुष्टि करते हुए बतौली थाना प्रभारी विवेक सेंगर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला गौ तस्करी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है और फरार आरोपियों के तलाश में लगी है। मृत गौवंशों का पंचनामा करके पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। स्थानीय लोगों और गौ सेवकों ने प्रशासन से गौ तस्करों को शीघ्र गिरफ्तार करके सख्त कार्रवाई करने और नियमित वाहनों की जांच करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो गौवंश की तस्करी के मामले लगातार बढ़ते रहेंगे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गौवंश की तस्करी कहां से की जा रही थी और इन्हें कहां ले जाया जा रहा था। बतौली थाना क्षेत्र से सामने आई इस घटना के बाद गौ तस्करी बड़े पैमाने पर होने की बातें होने लगी हैं। पुलिस फिलहाल आरोपियों के तलाश में लगी है, इसके बाद ही खुलासा हो पाएगा कि गौवंश की तस्करी में किसका हाथ है।

बेकाबू ट्रेक्टर घर में घुसी, एक की मौत, एक घायल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के रामानुजनगर थाना अंतर्गत बेकाबू ट्रैक्टर घर का दीवाल तोड़कर अंदर घुस गई, हादसे में दो लोग घायल हो गए, एक की मौत हो गई। ग्राम हनुमानगढ माझापारा निवासी खुलसाय टोप्पो ने रामानुजनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 13 दिसम्बर को दिन में करीब 10.30 बजे वह अपने घर के अंदर खाना खा रहा था। घर के बाहर खनिहाल में उसका चचेरा भाई राजराम लकड़ा, चाचा बालसाय, चमरु राम, पिता सहोदर टोप्पो और उसकी लड़की अनन्या टोप्पो बैठे थे। इसी बीच ट्रेक्टर क्रमांक सीजी 29 एएफ 1230 का चालक ट्राली में पैरा लोड करके तेज गति में लापरवाही पूर्वक ट्रेक्टर को मोड़ा और अनन्या टोप्पो को ठोकर मारते हुए घर के किचन का दिवाल तोड़ दिया, जिससे ट्रेक्टर वाहन घर के अंदर घुस गई। घायल अनन्या और बहू रूपा टोप्पो को इलाज के लिए गणेशपुर अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में ही अनन्या की मौत हो गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने ट्रेक्टर चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम स्ट्रांग रूम का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान ईवीएम वेयर हाउस का सील खोलकर कक्ष का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के पश्चात राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में कक्ष को पुनः सील किया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक एवं निर्वाचन शाखा के कर्मचारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मैनपाट के करमा रिसॉर्ट में लोकनृत्य प्रतियोगिता 19 को, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 8 दिसंबर से 21 दिसंबर तक विशेष गतिविधियों और प्रतियोगिताओं की भव्य श्रृंखला आयोजित कर रहा है। प्रदेश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों, रिसॉर्ट्स और पर्यटन बोर्ड के प्रधान कार्यालय रायपुर में रचनात्मक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है। इनका मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। इसी कड़ी में पर्यटन बोर्ड 19 दिसंबर को सरगुजा जिले के मैनपाट स्थित करमा रिसॉर्ट में लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 7 हजार रुपये, द्वितीय को 5 हजार रुपये तथा तृतीय को 3 हजार रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र भी दिए जाएंगे।

प्रचार सामग्री में स्थान और व्यापक पहचान का अवसर प्रतियोगिता के दौरान कैद किए गए छायाचित्रों और वीडियो को छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की प्रचार सामग्री तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रमुखता से स्थान दिया जाएगा। इससे प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। यह आयोजन न केवल स्थानीय पर्यटन को गति देगा, बल्कि युवाओं में लोककला के प्रति उत्साह भी जगाएगा। पर्यटन बोर्ड ने राज्य के युवाओं, पर्यटकों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। विस्तृत जानकारी के लिए 93991-61360 पर संपर्क किया जा सकता है।

भूमि स्वामी पर टांगी से हमला का प्रयास, मामला थाने तक पहुंचा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनतराई में करीब एक माह पूर्व क्रय किए गए जमीन को देखने के लिए गए भूमि स्वामी को जान से मारने की धमकी देकर टांगी से हमला करने का प्रयास करते हुए मारपीट करने के मामले में अजाक थाना पुलिस अंबिकापुर ने दो महिलाओं सहित चार आरोपियों के विरूद्ध एसटीएससी एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक वाहन चालक ग्राम कटनईपारा निवासी विरेन्द्र तिग्गा ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि करीब एक माह पूर्व वह सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनतराई में प्रकाश कुमार अग्रवाल का करीब 20 डिसमिल जमीन क्रय किया है। 14 दिसम्बर को वह दिन में करीब 1.30 बजे उक्त जमीन को देखने ग्राम सोनतराई गया था। इसी बीच नान दास, सुदामा दास सहित दो महिलाएं आई और सभी एक राय होकर जातिगत शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मार देने की धमकी देकर भूमि स्वामी को जमीन में पटक दिए और हाथ मुक्का से मारपीट करने लगे। इस दौरान सुदामा दास अपने पास रखे टांगी से मारने का प्रयास किया। शोर सुनकर कुछ लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करते हुए हमलावरों से टांगी को छीना। मारपीट में भूमि स्वामी को चोटें आई है। रिपोर्ट पर अजाक थाना पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम की धारा 3-1, 3(2)(व्हीए), बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) का मामला दर्ज कर लिया है।

‘डी’ ग्रेड स्कूलों में गुणवत्ता सुधार हेतु जनप्रतिनिधि व अधिकारी करेंगे निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में शासकीय स्कूलों की शिक्षा गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा ‘मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान’ के अंतर्गत विशेष पहल की जा रही है। इस अभियान के तहत सामाजिक अंकेक्षण के आधार पर ‘डी’ ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यालयों पर विशेष फोकस किया गया है।

कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक, समग्र शिक्षा, जिला सरगुजा के मार्गदर्शन में इन विद्यालयों की शैक्षणिक स्थिति में सुधार हेतु एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। राज्य शासन के निर्देशानुसार चयनित ‘डी’ ग्रेड स्कूलों का निरीक्षण जनप्रतिनिधियों एवं नामित अधिकारियों द्वारा दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण के निरीक्षण बाद द्वितीय चरण का निरीक्षण संभावित रूप से फरवरी माह में किया जाएगा। निरीक्षण एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ‘विद्या समीक्षा केंद्र, रायपुर’ द्वारा विकसित विशेष मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा, जिसमें अधिकारी विद्यालय में उपस्थित होकर रियल-टाइम जानकारी दर्ज करेंगे।

निरीक्षण दौरान विद्यालयों का मूल्यांकन पांच प्रमुख बिंदुओं पर किया जाएगा, जिनमें शाला का भौतिक वातावरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन, राज्य शासन द्वारा निर्देशित गतिविधियों का आयोजन, बच्चों के सीखने का स्तर तथा नीति आयोग के पीजीआई से संबंधित घटक शामिल हैं। प्रत्येक बिंदु पर कार्य पूर्णतः संतोषजनक होने पर 5 अंक तथा अपेक्षा अनुरूप न होने पर शून्य अंक दिए जाएंगे। इस अभियान के सफल संचालन हेतु सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को विकासखंड नोडल नियुक्त किया गया है। संकुल समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ उपस्थित रहकर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करें। इस विशेष अभियान का उद्देश्य ‘डी’ ग्रेड विद्यालयों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाना तथा उन्हें बेहतर ग्रेडिंग की ओर अग्रसर करना है।

जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग भर्ती प्रक्रिया में चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2023-24, सरगुजा रेंज की प्रतीक्षा सूची में चयनित अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा, व्यापम द्वारा जारी लिखित परीक्षा तथा बोनस अंक का विवरण 14 दिसम्बर को पुलिस नियंत्रण कक्ष व पुलिस अधीक्षक कार्यालय अंबिकापुर में चस्पा की गई है। चयन सूची व प्रतीक्षा सूची छत्तीसगढ़ पुलिस के वेबसाइट में भी उपलब्ध है। अभ्यर्थियों की चयनित प्रतीक्षा सूची छत्तीसगढ़ पुलिस कार्यपालिका बल, आरक्षक (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) नियम, 2007 एवं संशोधित नियम 2019 में दिए गए प्रावधानों का पालन करते हुए तैयार की गई है। उल्लेखित प्रावधान के तहत चयन, प्रतीक्षा सूची में शासन के निर्देशानुसार नगर सैनिकों के लिए वर्गवार रिक्तियों में 25 प्रतिशत क्षैतिज, श्रेणीवार एवं जाति वर्गवार आरक्षण का लाभ दिया गया है। इसी क्रम में शासन के निर्देशानुसार भूतपूर्व सैनिकों के लिए वर्गवार रिक्तियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज एवं श्रेणीवार एवं जाति वर्गवार आरक्षण का लाभ दिया गया है। महिलाओं के लिए वर्गवार रिक्तियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज एवं विभागवार एवं जाति वर्गवार आरक्षण का लाभ दिया गया है। अभ्यर्थियों को उल्लेखित शीर्षक की विशेष योग्यता हेतु प्रत्येक शीर्षक के लिए 5 अंक निर्धारित कर कुल 10 अंक अधिकतम बोनस अंक प्रदान किया गया है। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में प्रवीणता के तहत केवल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता, जिनका सीधा संचालन उस खेल के अखिल भारतीय संघ द्वारा किया जाता है, में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 05 अंक बोनस व एन.सी.सी. में ‘सी’ प्रमाण-पत्र धारक, एन.एस.एस. के प्रमाण-पत्र धारक को 5 अंक बोनस प्रदान किया गया है। अभ्यर्थी उपरोक्तानुसार शारीरिक दक्षता परीक्षा, व्यापम द्वारा जारी लिखित परीक्षा, बोनस अंक के कुल प्राप्तांक का अवलोकन कर सकते हैं।

कलेक्टर ने निष्क्रिय खातों की लंबित राशि शासन खाते में जमा करने के दिए निर्देश

देरी होने पर संबंधित विभाग प्रमुखों का दिसंबर माह का रोका जाएगा वेतन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन द्वारा विभिन्न विभागों में लम्बे समय से निष्क्रिय पड़ी योजनाओं से संबंधित इनऑपरेटिव बैंक खातों एवं डीफ गवर्नमेंट बैंक खातों को तत्काल ऑपरेटिव बैंक खातों में परिवर्तित करने के निर्देश दिए गये हैं। यदि बैंक खातों में शेष राशि का उपयोग नहीं किया जाना है तब की स्थिति में वित्त विभाग के नियमानुसार सभी विभाग अपनी लंबित राशि को कोषालय अधिकारी के माध्यम से शीघ्र शासन के खाते में जमा करने के निर्देश है।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने सर्व कार्यालय प्रमुख एवं आहरण संवितरण अधिकारियों से इस संबंध में की गई कार्यवाही की अद्यतन जानकारी दो दिवस में जिला कोषालय में प्रस्तुत करने को कहा है। उक्त निर्देश के संबंध में किसी भी प्रकार की देरी अथवा अपूर्णता की स्थिति में संबंधित विभाग प्रमुखों का दिसंबर माह का वेतन रोक दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अतिशीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कोषालय अधिकारी श्री डी.पी. सोनी ने बताया कि यदि किसी भी प्रकार की समस्या आ रही है तो जिला कोषालय अधिकारी या एलडीएम से संपर्क कर समस्या का समाधान लिया जा सकता है।

सर, हमारे स्कूल के पास पानी की व्यवस्था कर दीजिए.... बच्चों की मांग पर संवेदनशील कलेक्टर की त्वरित पहल

प्रशासन की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुर्गम क्षेत्रों के स्कूलों में पहुंचा शीतल और स्वच्छ पेयजल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत स्थित चुनचुना-पुंदाग क्षेत्र प्रकृति की अनुपम सुंदरता के लिए जाना जाता है। चारों ओर फैली पहाड़ियाँ, झरने और घने हरे-भरे वन इस क्षेत्र को अद्वितीय बनाते हैं। किंतु लंबे समय तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, ऊबड़-खाबड़ रास्तों तथा नक्सल प्रभाव के कारण यह इलाका विकास की मुख्यधारा से कट गया था। चुनचुना-पुंदाग, पीपरढाबा, चरहू एवं बरपाट जैसे गाँव विशेष पिछड़ी पहाड़ी कोरवा जनजाति के निवास क्षेत्र हैं, जहाँ वर्षों तक बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहा। पानी, सड़क, बिजली और शिक्षा जैसी आवश्यक सुविधाएँ यहाँ के निवासियों के लिए किसी सपने से कम नहीं थीं। लेकिन शासन की सुदृढ़ नक्सल उन्मूलन नीति, सुरक्षा बलों की सतत उपस्थिति और जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली के चलते अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु मजबूत हुआ है और शासकीय योजनाएँ दुर्गम पहाड़ियों को पार कर गाँवों तक पहुँचने लगी हैं। इसी परिवर्तन की एक प्रेरक मिसाल उस समय देखने को मिली, जब चरहू और पीपरढाबा के स्कूली बच्चों ने प्रशासन से अपने विद्यालय परिसर में पेयजल की व्यवस्था करने की हृदयस्पर्शी मांग रखी कि ''सर हमारे स्कूल के पास पानी की व्यवस्था कर दीजिए'' मासूम बच्चों की आवाज़ जिला कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार कटारा तक पहुँची। कलेक्टर श्री कटारा ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को तत्काल स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण उपरांत चरहू प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, पीपरढाबा आंगनबाड़ी केंद्र तथा सोनपुर के बरपाट में हैंडपंप स्थापना का निर्णय लिया गया। दुर्गम पहाड़ी रास्तों, नदी-नालों और घने जंगलों के कारण बोरिंग मशीनों को गाँवों तक पहुँचाना चुनौतीपूर्ण था, किंतु प्रशासनिक टीम के अथक प्रयासों से वैकल्पिक मार्ग तैयार किए गए और कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। कलेक्टर के पहल से जब इन स्थानों पर पहली बार स्वच्छ एवं शीतल जल निकला, तो वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी साफ झलक उठी। महिलाओं को संतोष है कि अब दूरस्थ जलस्त्रोतों की कठिन राह तय नहीं करनी पड़ती और बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ी के समीप ही सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो गया है।

चुनचुना-पुंदाग क्षेत्र में यह उपलब्धि प्रशासन की दृढ़ इच्छाशक्ति और सतत प्रयासों का परिणाम है और आगे भी शासन-प्रशासन दुर्गम से दुर्गम क्षेत्रों तक भी सुशासन की पहुँच सुनिश्चित करने और समग्र व सतत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जमदेई में ट्रिपल मर्डर के आरोपी की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत जमदेई खालपारा में ट्रिपल मर्डर के आरोपी 52 वर्षीय ग्रामीण की अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी है। सूचना पर एसडीओपी व एसएफएल टीम मौके पर पहुंच वस्तुस्थिति का जायजा लिया। जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत जमदेई खालपारा निवासी 52 वर्षीय रामजतन पनिका पिता पीतांबर पनिका करीब आठ वर्ष पूर्व अपनी मां, पत्नी और बच्चे की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। वह लगभग आठ वर्षों तक जेल में निरुद्ध रहा और करीब एक वर्ष पूर्व रिहा हुआ था। बताया जा रहा है कि वह घटना के समय घर पर अकेला था। पुलिस ने सोमवार की सुबह घर के बाहर ग्रामीण का खून से लतपथ शव बरामद कर पंचनामा पीएम उपरांत विवेचना शुरू कर दी है। हत्या के कारणों को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। प्रारंभिक तौर पर जमीन विवाद की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक अपने घर के समीप वर्तमान में पक्के मकान का निर्माण करा रहा था। जिस भूमि पर निर्माण किया जा रहा था, उसे वह पहले बेच चुका था, बावजूद इसके कब्जा नहीं छोड़ते हुए उसी भूमि में निर्माण कार्य कराया जा रहा था। जांच के दौरान डॉग स्क्वायड मृतक के घर के आसपास घूमने के बाद कुछ दूरी पर स्थित कॉलरी कर्मी नवल दास के घर तक पहुंचकर रुक गया था। इसके बाद पुलिस ने संदेही नवल दास को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। एसडीओपी अभिषेक पैकरा, जयनगर थाना प्रभारी टीआई रूपेश कुंतल, सहायक उपनिरीक्षक शशिशेखर तिवारी, प्रधान आरक्षक दीपक दुबे आरक्षक सुरेश साहू व अन्य मौके पर पहुंच विवेचना शुरू कर दी है।

गुरू घासीदास जयंती पर शुष्क दिवस घोषित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 62 तथा वर्ष 2025-26 की आबकारी नीति के अंतर्गत व्यवस्थापन एवं अन्य बिन्दुओं पर शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा द्वारा 18 दिसम्बर 2025 गुरू घासीदास जयंती दिन गुरूवार को शुष्क दिवस घोषित गया है। उक्त दिवस को जिले की समस्त देश/विदेशी मदिरा की दुकानें बंद रहेंगी तथा मदिरा का विक्रय, धारक एवं परिवहन पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

कलेक्टर के निर्देश पर एनएच पर सड़क मरम्मत कार्य जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 के सिलफिली से संजयनगर खंड में लगातार बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़क पर बिटुमिनस पैच रिपेयर का कार्य कराया गया है। जानकारी के अनुसार उक्त मार्ग की कुल लंबाई 10.50 किलोमीटर है, जिसमें से अब तक 3.50 किलोमीटर हिस्से में बिटुमिनस पैच रिपेयरिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष बचे मार्ग पर मरम्मत कार्य शीघ्र ही पूर्ण करने की बात कही जा रही है, ताकि आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही सड़क की दीर्घकालीन मजबूती सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर स्वीकृति के लिए भारत सरकार को भेजे जाने की बात कही जा रही है।

ई-केवाईसी से बिश्रामपुर में 1326 राशन कार्ड बंद, भटक रहे जरूरतमंद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डिजिटल व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से लागू की गई ई-केवाईसी प्रक्रिया अब बिश्रामपुर नगर पंचायत के गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए भूख की वजह बनती जा रही है। नगर पंचायत बिश्रामपुर क्षेत्र में केवल ई-केवाईसी पूरी न होने के कारण करीब 1326 राशन कार्ड बंद कर दिए गए हैं। इससे सैकड़ों परिवारों को मिलने वाला सस्ता अनाज अचानक बंद हो गया है और वे राशन दुकानों, नगर पंचायत कार्यालय और अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हो गए हैं। इस मामले में नपं बिश्रामपुर के वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद संजीत यादव ने खाद्य अधिकारी सूरजपुर को एक ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल राहत की मांग की है। पार्षद संजीत यादव ने बताया कि बड़ी संख्या में हितग्राही जब राशन लेने दुकान पहुंचते हैं तो दुकानदार यह कहकर लौटा देते हैं कि उनका कार्ड ई-केवाईसी के अभाव में बंद है। परेशान उपभोक्ता नगर पंचायत कार्यालय पहुंचते हैं, लेकिन जब वहां राशन कार्ड नंबर पोर्टल में डाला जाता है तो कार्ड चालू बताया जाता है। इसके बाद उपभोक्ताओं को पुनः राशन दुकानदारों के पास भेज दिया जाता है। इस पूरे घटनाक्रम में जिम्मेदारी तय न होने के कारण आम नागरिक पिस रहा है। पार्षद ने बताया कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया में कई व्यवहारिक समस्याएं सामने आ रही हैं। जिसमें वृद्धजनों के फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होना, सर्वर बार-बार डाउन रहना, इंटरनेट की कमजोर सुविधा, आधार प्रमाणीकरण में त्रुटि, तकनीकी जानकारी का अभाव के कारणों से बड़ी संख्या में लोग समय रहते ई-केवाईसी नहीं करा सके और उनका राशन कार्ड निष्क्रिय कर दिया गया है। पार्षद ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि राशन कार्ड केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि गरीब और मजदूर परिवारों की जीवनरेखा है। इसके माध्यम से मिलने वाला अनाज उनके परिवार का पेट भरता है। अचानक कार्ड बंद होने से दिहाड़ी मजदूर, वृद्ध, विधवा, दिव्यांग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के सामने भुखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। पार्षद संजीत यादव ने स्पष्ट किया कि सभी प्रभावित हितग्राही ई-केवाईसी कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यदि प्रशासन द्वारा पुनः समय-सीमा तय की जाती है और स्थानीय स्तर पर सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, तो लोग तुरंत प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। ज्ञापन में मांग की गई है कि ई-केवाईसी के कारण निरस्त किए गए सभी 1326 राशन कार्ड पुनः सक्रिय किए जाएं। ई-केवाईसी के लिए नई तिथि घोषित कर विशेष शिविर लगाए जाएं। वृद्ध, दिव्यांग व तकनीकी रूप से असमर्थ हितग्राहियों के लिए वैकल्पिक प्रमाणीकरण व्यवस्था की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र परिवार मूलभूत खाद्यान्न योजना से वंचित न रहे।

नारी शक्ति खेल में महिलाओं ने रचा इतिहास

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिलाओं की ऊर्जा, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भव्य प्रदर्शन शिवानी महिला समिति बिश्रामपुर द्वारा आयोजित नारी शक्ति खेल 2025 में देखने को मिला। यह आयोजन न केवल खेल प्रतियोगिता रहा, बल्कि महिला सशक्तिकरण, एकजुटता और सामाजिक जागरूकता का एक प्रेरणादायक महोत्सव बनकर उभरा है। कार्यक्रम की शुरुआत 10 दिसंबर को स्नेह मिलन बिश्रामपुर में आयोजित इंडोर गेम्स से हुई, जहां महिलाओं ने कैरम, शतरंज सहित अन्य प्रतियोगिताओं में अपनी कुशलता दिखाई। इसके पश्चात 15 दिसंबर को डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर के खेल मैदान में आउटडोर खेलों का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवानी महिला समिति बिश्रामपुर की अध्यक्ष श्रीमति अल्पना सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि एसडीएम शिवानी जायसवाल ने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं और ऐसे आयोजन उन्हें आगे बढ़ने के लिए नया आत्मविश्वास प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति खेल ने यह संदेश दिया कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। खेल के मैदान में उतरकर उन्होंने न केवल अपनी शारीरिक क्षमता का परिचय दिया, बल्कि आत्मनिर्भरता, नेतृत्व और सामूहिक शक्ति का भी प्रदर्शन किया है। बिश्रामपुर में आयोजित यह आयोजन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन गया और यह साबित कर गया कि नारी शक्ति ही राष्ट्र की सच्ची शक्ति है। नारी शक्ति खेल में शिवानी महिला समिति की सदस्यों के साथ-साथ बिश्रामपुर क्षेत्र में पदस्थ महिला अधिकारी, कर्मचारी एवं महिला कामगारों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। अलग-अलग आयु वर्ग की महिलाओं ने खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया और यह साबित किया कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग, अनुशासन और स्वास्थ्य का माध्यम भी हैं। स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिवानी महिला समिति की कामिनी राय, स्नेहा अटल, ऊषा शर्मा, अनीता भील, जया रमन्ना, अनामिका भारती सहित डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की प्राचार्य अनामिका भारती की विशेष उपस्थिति रही।

सेवानिवृत्ति के बाद भी क्वार्टर पर कब्जा, 15 पूर्व कर्मियों को नोटिस जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में सेवानिवृत्ति के बाद भी कंपनी के आवासीय क्वार्टरों पर अनधिकृत रूप से कब्जा जमाए बैठे 15 पूर्व कर्मचारियों को संपदा अधिकारी ने नोटिस जारी किया है। प्रबंधन सूत्रों के अनुसार ये सभी कर्मचारी लंबे समय पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके हैं, बावजूद इसके अब तक उन्होंने क्वार्टर कंपनी प्रबंधन के सुपुर्द नहीं किए हैं। कई बार मौखिक समझाइश, सूचना पत्र और अनुरोध के बाद भी जब कोई ठोस परिणाम नहीं निकला, तब प्रबंधन को यह सख्त कार्रवाई करनी पड़ी है। ज्ञात हो कि एसईसीएल के आवासीय नियमों के तहत सेवानिवृत्ति के बाद निर्धारित अवधि में क्वार्टर खाली करना अनिवार्य है। बावजूद इसके इन पूर्व कर्मियों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक क्वार्टर पर बने रहना न केवल अनुशासनहीनता है, बल्कि कंपनी संपत्ति का दुरुपयोग भी माना जा रहा है। सेवानिवृत्त कर्मियों द्वारा क्वार्टर खाली नहीं किए जाने का सीधा असर वर्तमान में कार्यरत कर्मचारियों पर पड़ रहा है। नए स्थानांतरण और पदस्थापना के बावजूद क्वार्टर उपलब्ध नहीं होने से कर्मचारियों को निजी मकानों में ऊंचे किराए पर रहना पड़ रहा है।

एसईसीएल अधिकारियों ने साफ किया है कि यह कार्रवाई किसी के खिलाफ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि नियमों के पालन और कंपनी हित में की जा रही है। सेवानिवृत्त कर्मियों से अपील की गई है कि वे स्वेच्छा से क्वार्टर खाली कर सहयोग करें ताकि वास्तविक जरूरतमंद कर्मचारियों को आवास सुविधा मिल सके। प्रबंधन का कहना है कि यदि नोटिस के बाद भी क्वार्टर खाली नहीं किए गए, तो कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर 21 को केनापारा में हिन्दू महासम्मेलन की तैयारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में शताब्दी वर्ष को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक गृह संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत संघ के कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर पंच परिवर्तन का संदेश दे रहे हैं और समाज को सकारात्मक बदलाव के लिए जागरूक कर रहे हैं। गौरतलब है कि जयनगर मंडल जो कि 9 ग्राम पंचायतों को समेटे हुए है, इस अभियान का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंडल अंतर्गत केनापारा ग्राम में आगामी 21 दिसंबर को आयोजित होने वाले हिन्दू महासम्मेलन को लेकर माहौल पूरी तरह गर्मा चुका है। महासम्मेलन की तैयारी के साथ-साथ संघ कार्यकर्ता गांव-गांव, गली-गली जाकर आमंत्रण पत्र बांट रहे हैं। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, स्वदेशी अपनाने का संकल्प, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों का पालन व पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण इन विषयों पर समाज में जागरूकता लाना है। ज्ञात हो कि 21 दिसंबर को केनापारा में आयोजित हिन्दू महासम्मेलन में डेढ़ से दो हजार लोगों की भीड़ एकत्रित होने की संभावना है।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विष्णु अग्रवाल, योगेन्द्र राजवाड़े, देवशरण सिंह, देवधन राम बिंझिया, अभिषेक सिन्हा, अजय यादव, राजेन्द्र गवंटिया एवं डिकेश प्रजापति व अन्य सक्रिय हैं।

अर्बन बैंक खाता धारक 1 जनवरी से ऑनलाइन कर सकेंगे लेनदेन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रेलवे के अर्बन बैंक सोसायटी के खाता धारकों को नए साल में बैंक प्रबंधन बड़ी सौगात देने जा रहा है। अर्बन बैंक में अब अन्य बैंकों की तरह फिक्स्ड डिपॉजिट और रैकरिंग डिपॉजिट के लिए ऑनलाइन आवेदन और लेनदेन की सुविधा मिलेगी। यह अहम निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में लिया गया। इस फैसले से साउथ ईस्टर्न रेलवे, ईस्ट कोस्ट रेलवे, साउथ इस्टर्न सेंट्रल और कोलकाता मेट्रो के करीब 1.35 लाख से अधिक शेयरधारकों को सीधा लाभ मिलेगा। बोर्ड ने यह प्रस्ताव भी पारित किया है कि 1 जनवरी से मोबाइल ऐप के माध्यम से एफडी-आरडी और सेविंग अकाउंट से जुड़े सभी ऑनलाइन लेन-देन शुरू किए जाएंगे। इससे बैंकिंग सेवाएं पारदर्शी होंगी।बताया जा रहा है कि इस नई सुविधा के शुरू होने के बाद अब घर बैठे मोबाइल से ही शेयर धारक लेन-देन कर सकेंगे। इस फैसले से बड़ी संख्या में रेलकर्मी लाभान्वित होंगे, अब उन्हें बैंक सोसायटी के अनावश्यक चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, जिससे उन्हें भागदौड़ और परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी। पहले कर्मियों को छुट्टी लेकर मुख्यालय जाना पड़ता था। बैठक में लोन रिन्युअल से जुड़े नियमों को और सरल बनाने का निर्णय लिया गया। अब लोन रिन्युअल के लिए पहले की तुलना में तीन ईएमआई कम होने पर ही पात्रता मिल जाएगी। इसके अलावा जो शेयर धारक 30 ईएमआई तक का लोन लेते हैं, वे अब 12 ईएमआई यानी एक साल बाद ही नया लोन ले सकेंगे। बताया जा रहा है कि अब ऑनलाइन लोन आवेदन के लिए केवल एक पेज का फॉर्म भरना होगा, जिसे संबंधित इंचार्ज के हस्ताक्षर से स्वीकृति दी जाएगी। शेयर धारक अब अनिवार्य सीएमटीडी राशि के अलावा स्वेच्छा से अतिरिक्त राशि भी कटवा सकेंगे। इस फैसले से एक तरफ जहां रेलवे कर्मचारियों को सुविधा होगी वहीं उनका समय बचेगा। पहले उन्हें 200-300 किमी की दूरी तय कर एफडी-आरडी के लिए मुख्यालय जाना पड़ता था। अब आसानी से घर बैठे ही ये काम कर सकेंगे।

भुवनेश्वरपुर में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखण्ड रामानुजनगर अंतर्गत मंडल मदनेश्वरपुर के ग्राम भुवनेश्वरपुर में एक विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज की विभिन्न जातियों एवं वर्गों के हिंदुओं को एक मंच पर लाकर सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना रहा। सम्मेलन में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों एवं स्वयंसेवकों ने सहभागिता करते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान लोकगीतों, भजनों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और राष्ट्रबोध को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं प्रेरणादायक बन गया। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का द्वारा भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का अभिनंदन किया गया। मंचासीन रेखा साहू ने अपने उद्बोधन में नारी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार महाभारत के वीर अभिमन्यु ने गर्भ में रहते हुए भी ज्ञान अर्जित किया था, उसी प्रकार नारी भी संस्कार और ज्ञान का बीज संतान में रोपित करती है। जब नारी सशक्त होती है, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त बनता है। उन्होंने सभी को भारत निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

वहीं सुशील कुशवाहा ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि आज के बच्चों में संस्कारों का रोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि श्रीराम के आदर्श प्रातःकाल माता-पिता का सम्मान, बड़ों का आदर और छोटों के प्रति स्नेह आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पंडित श्यामाचरण शुक्ल ने कहा कि भारत की भूमि श्रीराम की भूमि है, इसलिए इसे भारत माता कहा जाता है। देवी-देवताओं की जैसी महिमा और जागरण भारत में है, वैसी किसी अन्य देश में नहीं है। उन्होंने जाति और भेदभाव से ऊपर उठकर एकता के साथ रहने का संदेश देते हुए उदाहरण दिया कि दुकान में गुच्छे में लगे अंगूर महंगे बिकते हैं, जबकि बिखरे हुए अंगूर सस्ते होते हैं। इसी प्रकार संगठित समाज का मूल्य अधिक होता है। मुख्य वक्ता आरएसएस के जिला सह संपर्क प्रमुख मनोज जायसवाल ने कहा कि आज हिंदू सम्मेलन की आवश्यकता क्यों पड़ी, यह समझना जरूरी है। उन्होंने बताया कि यह वर्ष ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वंदे मातरम्के 150 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और यह स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने वीर बालक फतेह सिंह और जोरावर सिंह के बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि मात्र 7 से 9 वर्ष की आयु में उन्होंने धर्म परिवर्तन स्वीकार करने के बजाय अपने धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया, जिससे हमें संस्कार और आस्था की रक्षा की प्रेरणा मिलती है। मनोज जायसवाल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार चाहते तो अपना जीवन व्यक्तिगत सुख में व्यतीत कर सकते थे, लेकिन उन्होंने हिंदू समाज को संगठित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया और वर्ष 1925 में संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि जब-जब हिंदू समाज संगठित हुआ है, तब-तब देश सशक्त और स्वतंत्र हुआ है। जब तक हिंदू समाज एकजुट रहेगा, तब तक भारत कभी गुलाम नहीं हो सकता। साथ ही यह भी कहा गया कि संतों और महापुरुषों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, जिसके लिए समाज को संगठित, संस्कारवान और राष्ट्रनिष्ठ बनना होगा। साथ ही संघ के पाँच परिवर्तन कुटुम्ब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्यबोध पर उद्बोधन दिया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध को सुदृढ़ करना रहा।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कार्यशाला संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह एवं उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, जिला पंचायत सदस्य विजय अग्रवाल एवं श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, पार्षद आलोक दुबे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि सहित प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह ने कहा कि बाल विवाह एक गम्भीर सामाजिक समस्या है।

जीवन अनमोल है, स्वस्थ मन ही मजबूत समाज की नींव है-शिल्पा पाण्डेय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। आज अंबिकापुर के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में विजन समाजसेवी संस्था द्वारा जीवन अनमोल है थीम पर मानसिक स्वास्थ्य हमारा अधिकार विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की संयोजक अधिवक्ता एवं समाज सेविका शिल्पा पांडे द्वारा जागरूकता कार्यक्रम के लक्ष्य को बताते हुए यह कहा गया की स्वस्थ मस्तिष्क के बच्चे तीन मजबूत स्तंभों का परिणाम होते हैं पहले कि वह स्वयं दूसरा उनके अभिभावक के संस्कार और

तीसरा उनके शिक्षकों का बच्चों के प्रति व्यवहार एवं संस्कार सुखी कस्तूरबा आवासीय विद्यालय अनुशासन एवं संस्कार का समायोजन है बस महत्वपूर्ण बात यह है की शिक्षा के इस यज्ञ शाला में हर बच्चा मन से मजबूत रहे जीवन अनमोल है स्वस्थ मां से ही मजबूत समाज की न्यू रखी जा सकती है। आज के इस जागरूकता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संतोष दास ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है जब हम बच्चों को मजबूत करते हैं तो हमारे देश का भविष्य अपने आप निखर कर सुद्धरण हो जाएगा इसके लिए सबसे जरूरी है कि बच्चे खुलकर जिए खुली हवा में सांस ले अवसाद और निराशा को निकाल कर फेंक दें कम नंबर आते हैं कोई बात नहीं फिर प्रयास करें हिम्मत ना हारे प्रयास करते रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पुलिस विभाग के ऊर्जावान अधिकारी अभय तिवारी जी ने भी कहा हर परिस्थिति का मजबूती से सामना कर लेना है मजबूत मां होने की निशानी है। आप सभी बच्चियों के चेहरे पर मुस्कुराहट देखकर मुझे यह यकीन हो गया है कि आप सभी जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते होंगे। उन्होंने आगे अभी कहा की सब चीज अपने आप ठीक हो जाती हैं बस शर्तें आपको भरोसा रखना होगा।

कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से मिलेंगे रोजगार के अवसर-सीईओ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 के तहत ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में जिले में विभिन्न ट्रेडों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल ने जनपद पंचायत अंबिकापुर की ग्राम पंचायत खलीबा, मेंद्राखुर्द, चठिरमा, बलसेडी एवं कुल्हाड़ी के कुल 35 ग्रामीणों को राजमिस्त्री कार्य के 30 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

किया। आरएसईटीआई अंबिकापुर द्वारा प्रारंभ की गई प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को कुशल बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को भवन निर्माण कार्य से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत खलीबा में निमार्णाधीन प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक रूप से ईंट-चिनाई, प्लास्टर, फाउंडेशन, लेआउट, माप-जोख एवं गुणवत्ता मानकों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण अवधि के दौरान योजना के प्रावधानों के तहत प्रतिभागियों को 261 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी भी प्रदान की जाएगी, क्योंकि इन युवाओं द्वारा मनरेगा अंतर्गत 60 दिवस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इससे प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें आर्थिक सहयोग भी प्राप्त होगा। इस प्रशिक्षण में 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के ग्रामीण युवक-युवतियां शामिल हैं। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत ये सभी प्रतिभागी राजमिस्त्री के रूप में कार्य करने में सक्षम होंगे तथा प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य शासकीय एवं निजी निर्माण कार्यों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

लरंग साय के दिल्ली यात्रा का ऐतिहासिक प्रसंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रारंभिक संघर्षकाल में संगठन के पास न तो भव्य कार्यालय थे, न संसाधनों की प्रचुरता और न ही आधुनिक संचार माध्यम। वह समय त्याग, विश्वास और व्यक्तिगत संबंधों के बल पर संगठन खड़ा करने का था। उसी दौर का यह प्रसंग लरंग साय जी के व्यक्तित्व और भारतीय राजनीति के मूल्यात्मक इतिहास को गहराई से उजागर करता है। उस समय संगठन की अधिकांश सूचनाएँ सेवाराम अग्रवाल, जो संगठन के कोषाध्यक्ष थे, के निवास से संचालित होती थीं। उनके घर पर टेलीफोन की सुविधा थी, जो उस समय एक दुर्लभ साधन मानी जाती थी। दिल्ली से यह सूचना आई कि लरंग साय को तत्काल राजधानी बुलाया जाना है। आज की तरह संदेश एक क्षण में नहीं पहुंचता था, न मोबाइल था, न इंटरनेट। सरगुजांचल जैसे वनांचल क्षेत्रों में तो सूचना पहुंचाना स्वयं एक अभियान होता था इसलिए यह तय हुआ कि लरंग साय जी को स्वयं जाकर सूचना दी जाए। सेवाराम अग्रवाल ने अपने छोटे भाई करताराम अग्रवाल को यह दायित्व सौंपा। करताराम अपनी राजदूत मोटरसाइकिल लेकर अम्बिकापुर से लरंग साय के गांव यशवंतपुर की ओर रवाना हुए। अम्बिकापुर से यशवंतपुर की दूरी लगभग 75 किलोमीटर थी। रास्ते कच्चे, जर्जर और अत्यंत कठिन थे। यह यात्रा केवल दूरी की नहीं, बल्कि संकल्प की परीक्षा भी थी। घंटों की यात्रा के बाद करताराम लरंग साय के घर पहुंचे। यह उनका पहला अवसर था जब वे उनके घर आए थे। घर अत्यंत साधारण था न कोई तामझाम, न कोई दिखावा। लरंग साय जी चटाई पर बैठे हुए थे। अतिथि के लिए भी एक और चटाई बिछा दी गई। दोनों जमीन पर बैठकर बात करने लगे। करताराम ने दिल्ली से आया संदेश उन्हें सुनाया। उन्होंने संगठन की आवश्यकता, दिल्ली बुलाए जाने का कारण और यात्रा की बात विस्तार से बताई। लरंग साय ने न कोई प्रश्न किया, न कोई शर्त रखी। संगठन का आह्वान उनके लिए आदेश के समान था। उन्होंने बिना किसी औपचारिक तैयारी के कहा चलो। मात्र एक जोड़ी कपड़ों में, वे उसी समय करताराम जी के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर अम्बिकापुर के लिए निकल पड़े। यह दृश्य स्वयं में उनके जीवन-दर्शन का प्रतीक था, जहां पद नहीं, उद्देश्य प्रधान था; जहां सुविधा नहीं, कर्तव्य सर्वोपरि था। अम्बिकापुर पहुंचते ही दिल्ली यात्रा की व्यवस्था की गई। किंतु लरंग साय ने एक बात अत्यंत दृढ़ता से कही दिल्ली जाने से पहले गंगा स्नान और काशी विश्वनाथ के दर्शन आवश्यक हैं। यह कथन मात्र धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि उनके जीवन की मूल प्रवृत्ति को दशार्ता है। राजनीति से पहले आत्मशुद्धि, सत्ता से पहले साधना। निर्णय हुआ कि दिल्ली की यात्रा बनारस मार्ग से की जाएगी। लरंग साय जी ने गंगा में स्नान किया, काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए और भोलेनाथ से राष्ट्र-सेवा का संकल्प लेकर दिल्ली की ओर प्रस्थान किया। इस पूरी यात्रा में सेवाराम अग्रवाल उनके साथ रहे। दिल्ली पहुंचने से पूर्व सेवाराम ने अपने दिल्ली-निवासी भाई रमेशचंद्र गर्ग को सूचना दे दी थी। रमेशचंद्र गर्ग कनॉट प्लेस पहुंचे। वहां एक खादी भंडार से लरंग साय के लिए दो जोड़ी कुर्ता-धोती खरीदी गई। कपड़े खरीदने के बाद लरंग साय सहज भाव से बोले अब भोजन कर लेते हैं। पास के एक साधारण होटल में भोजन किया गया। कोई विशेष आग्रह नहीं, कोई दिखावा नहीं। भोजन उपरांत सभी लोग भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे। यह यात्रा केवल दिल्ली तक की नहीं थी। यह यात्रा एक साधारण ग्रामीण से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र तक उस विचारधारा की थी, जिसमें सादगी, संगठन-निष्ठा, आध्यात्मिकता और राष्ट्र-सेवा एक साथ चलते हैं।

भाजपा मंडल महामंत्री ने दी नितीन नवीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। भाजपा महामंत्री सौभाग्य दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी के 45 वर्ष पूरे होने पर 45 वर्ष के नितीन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर नई पिढी को अवसर देने का रास्ता खोल दिया है। नितिन नवीन की इस नियुक्ति से भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन लाखों युवा कार्यकताओं के लिए संदेश दिया है कि पार्टी में इमानदारी से काम करते रहने पर महत्वपूर्ण पदों पर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, यह सिर्फ भाजपा में ही संभव है। रामानुजनगर भाजपा मंडल महामंत्री सौभाग्य दुबे ने बिहार सरकार में पथ निर्माण मंत्री और

छत्तीसगढ़ प्रभारी नीतीन नवीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर उन्हें अपनी बधाई व शुभकामनाएं देते हुए यह प्रतिक्रिया दी। सौभाग्य दुबे ने कहा कि नीतीन नवीन ने छत्तीसगढ़ में सह प्रभारी रहते यहां के संगठन को मजबूत करते हुए 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को शानदार सफलता दिलाने में अहम भूमिका निभाई। विधानसभा चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ के प्रभारी ओम माथुर को मुक्त कर नितीन नवीन को यहां का प्रभारी बनाया गया। नवीन के मार्गदर्शन में लोकसभा चुनाव नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में भी भाजपा ने बेहतर प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ प्रभारी रहते हुए उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी ऐसे समय दी गई है जब 2026 में बंगाल सहित चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा रविवार को विकासखंड रामानुजनगर के पाँच परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन हेतु प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामानुजनगर में कुल 288 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था, जिनमें से 211 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामानुजनगर में 360 विद्यार्थियों का पंजीयन किया गया था, जिनमें 270 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, परशुरामपुर में 336 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ, जिनमें से 250 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तीवरागुड़ी में 118 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 80 उपस्थित रहे। इसी तरह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सोनपुर में 250 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ, जिनमें से 168 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इस प्रकार सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 348 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। सभी केंद्रों में निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा की निष्पक्षता एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए नवोदय विद्यालय समिति द्वारा नियुक्त सीएलओ की निगरानी में परीक्षा संपन्न कराई गई। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ बैठने, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। अभिभावकों ने परीक्षा व्यवस्था को संतोषजनक बताते हुए प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की।

उक्त जानकारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी.एस.लकड़ा द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा विद्यार्थियों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है तथा विकासखंड रामानुजनगर के सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षा को सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया।

फायर रेड क्वीन बनी महिला अधिवक्ता क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अधिवक्ता संघ द्वारा शीतकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन गाँधी स्टेडियम में किया गया था। इस बार इस प्रतियोगिता की खास बात ये थी की इस बार महिला अधिवक्ताओं की टीम ने पहली बार हिस्सा लिया था। महिला अधिवक्ताओं की दो टीमों ब्लू डायमंड और फायर रेड क्वीन के बीच खेले गए मुकाबले में टॉस जीत फायर रेड क्वीन ने ब्लू डायमंड को बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। ब्लू डायमंड ने निर्धारित 8 ओवर में 95 रन का लक्ष्य दिया। जिसे कप्तान सरिता पाण्डेय की फायर रेड क्वीन ने 7.1 ओवर में ओपनर आरती पटेल के 23 गेंदों में 54 रन और उप कप्तान काजल सिंह के 15 गेंदों में 34 रनों की मदद से बिना कोई विकेट खोए बना लिया। इस टीम में मायकल, सलमा खान, आरती पटेल, पुनम दास, दिव्या लकरा, रूमा विश्वास, अनीता, अंजली मिंज, मोनिका, रेखा सोनी, लक्ष्मी सिन्हा, खुशी गुप्ता, सीमिका गुप्ता, प्रीति सोनी शामिल थी। टीम की कप्तान सरिता पाण्डेय और उप कप्तान काजल सिंह थी।

तुहंर टोकन ऐप किसानों के समय, श्रम और संसाधनों की बचत- कृषक नंदलाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों की पारदर्शी एवं डिजिटल व्यवस्था से किसानों को धान विक्रय में अभूतपूर्व सुविधा मिल रही है। शासन द्वारा अपनाई गई नई तकनीकी के चलते अब किसान घर बैठे मोबाइल फोन से तुहंर टोकन ऐप के माध्यम से टोकन काटकर निर्धारित तिथि पर उपार्जन केन्द्र पहुंच रहे हैं, जिससे समय, श्रम और संसाधनों की बचत हो रही है। बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पथरई निवासी कृषक नंदलाल पैकरा ने इस डिजिटल व्यवस्था का सफल उपयोग करते हुए अपने मोबाइल से 52 क्विंटल धान का पहला टोकन घर बैठे ही काटा। उन्होंने बताया कि पहले टोकन कटवाने के लिए उपार्जन केन्द्र में लंबी कतारों में लगना पड़ता था, जिससे समय की बबार्दी होती थी। अब मोबाइल ऐप के माध्यम से यह प्रक्रिया बेहद आसान हो गई है और भीड़भाड़ से भी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि सेदम धान उपार्जन केन्द्र पहुंचने पर सबसे पहले धान की नमी की जांच की गई, जिसके उपरांत हमालों द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार धान की तौल की गई। पूरी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सुचारू रही। उन्होंने बताया कि वे कुल 105 क्विंटल धान का विक्रय कर रहे हैं और अब तक की तौल प्रक्रिया से वे पूरी तरह संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि तुहंर टोकन ऐप के उपयोग से किसानों का समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। डिजिटल तकनीक अपनाने से किसान अब अधिक जागरूक और आत्मनिर्भर बन रहे हैं। यह व्यवस्था छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित हो रही है। किसान नंदलाल पैकरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार की धान खरीदी नीति की सराहना करते हुए बताया कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य मिलने से किसानों को आर्थिक लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे खेती-किसानी को और अधिक विस्तार देने, उन्नत बीज, खाद में कर रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है। जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। डिजिटल टोकन व्यवस्था, पारदर्शी तौल प्रक्रिया और सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते धान विक्रय की प्रक्रिया अब पहले की तुलना में अधिक सरल, सुगम और भरोसेमंद बन गई है।

सम्पादकीय

अब बर्थ टूरिज्म पर ट्रंप की टेढ़ी नजर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार इमिग्रेशन नियमों को सख्त करते जा रहे हैं। इससे भारत समेत तमाम देशों पर असर पड़ रहा है। इस साल जनवरी से अब तक करीब 85,000 वीजा रद्द किए जा चुके हैं। इनमें 8,000 से ज्यादा छात्र शामिल हैं। वीजा रद्द करने का आधार नशे में गाड़ी चलाना, चोरी और हमला जैसे अपराध बताया गया है। अब ट्रंप की टेढ़ी नजर 'बर्थ टूरिज्म' पर है। 'बर्थ टूरिज्म' उसे कहा जाता है, जब बच्चे को जन्म देने के उद्देश्य से मां-बाप किसी दूसरे देश की यात्रा करते हैं। इससे बच्चे को पैदा होते ही वहां की नागरिकता मिल जाती है। अमेरिका में 14वें संशोधन के तहत, अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चे स्वतः अमेरिकी नागरिक बन जाते हैं। यह बदलाव भारतीय प्रवासियों के लिए चिंता का विषय है, खासकर उन लोगों के लिए जो अमेरिका में रह रहे हैं या वहां जाने की योजना बना रहे हैं। अब ट्रंप प्रशासन ने उन महिलाओं को वीजा नहीं देने का फैसला लिया है, जो महज अमेरिकन नागरिकता पाने के लिए वहां जाकर बच्चे को जन्म देना चाहती हैं। ट्रंप प्रशासन ने ऐसे आवेदकों को बी-1/बी-2 टूरिस्ट वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है, जिन पर बच्चे को जन्म देने के लिए यात्रा करने का शक है। अब अगर कोई महिला गर्भावस्था के ऐसे वक्त में ट्रैवल वीजा मांगती है, जब अमेरिका में रहने के दौरान वह मां बन सकती है तो ऐसे में उसका वीजा रद्द किया जा सकता है। 'बर्थ टूरिज्म' रोकने के लिए ट्रंप प्रशासन के इस ऐलान के बाद वीजा के लिए अप्लाई करने वाली शादीशुदा या प्रेग्नेंट महिलाओं की जांच-पड़ताल बढ़ जाएगी। हालांकि ट्रंप का आदेश अभी लागू नहीं हुआ है, क्योंकि इसे कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यह फैसला लागू होता है तो इससे भारतीय बड़े पैमाने पर प्रभावित हो सकते हैं। चूंकि अमेरिका में आईटी और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में भारतीय बड़ी संख्या में नौकरी करते हैं। ऐसे भारतीयों के परिवार लगातार यात्रा करते हैं। ट्रंप प्रशासन का फैसला उन भारतीय महिलाओं की मुश्किल बढ़ाएगा, जो गर्भवती होते हुए वीजा चाहती हैं। हालांकि उनका बर्थ टूरिज्म जैसा कोई इरादा नहीं है। देखने में आ रहा है कि ट्रंप प्रशासन अवैध प्रवासियों और वीजा के मामले में लगातार सख्ती बढ़ाता जा रहा है। वीजा फीस बढ़ाने जैसे कई फैसले हालिया महीनों में लिए जा चुके हैं। इससे पहले अमेरिका का नया वीजा नियम सीधा लोगों की सोशल मीडिया प्रोफाइल से जुड़ा है। अब एच-1बी वीजा लेने वाले, या पहले से काम कर रहे लोग और उनके परिवार तक, वीजा जांच में अपने फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और लिंक्डइन को पब्लिक रखना होगा। मतलब, अमेरिकी अधिकारी आपके पुराने पोस्ट, फोटो, कमेंट, यहां तक कि आपका रिज्यूमे भी चेक कर सकते हैं। इसी वजह से भारतीय वीजा आवेदकों में डर फैल गया है, क्योंकि अमेरिका में 70 फीसदी से ज्यादा एच-1बी वीजा भारतीयों को मिलते हैं। वहीं, एच-4 वीजा पर काम करने वाले लोग भी 90 फीसदी तक भारतीय हैं। हालांकि अमेरिका का कहना है कि यह नियम अमेरिकी नागरिकता के दुरुपयोग को रोकने के लिए है, लेकिन इसका बड़े स्तर पर विरोध भी हो रहा है। यह देखना होगा कि यह नियम कैसे लागू किया जाता है और इसका क्या प्रभाव पड़ता है।

संसद सत्र

कांतिलाल मांडोत

सदन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वक्तव्य के बाद विपक्ष का वॉकआउट सिर्फ एक प्रक्रियागत विरोध नहीं था, बल्कि उस गहरे अविश्वास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की अभिव्यक्ति भी था, जो आज भारतीय राजनीति की मुख्य धुरी बन चुका है। शीतकालीन सत्र की यह घटना केवल एक दिन की संसदीय कार्यवाही नहीं थी, बल्कि भविष्य की राजनीति के संकेत भी थे। जहां चुनावी नैरेटिव, संस्थागत विश्वास, और राजनीतिक नैतिकता एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जनता इन बहसों को सुनती है, समझती है और अंततः उन्हीं आधारों पर आने वाले चुनावों में अपना निर्णय देती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है, और यही उसकी अंतिम कसौटी।

घुसपैठ व चुनावी नैरेटिव में छिपी सियासत

शीतकालीन सत्र का यह दिन भारतीय संसद के लिए उन क्षणों में से एक बन गया, जब बहस से ज़्यादा राजनीतिक टकराव और आरोप-प्रत्यारोप ने माहौल को गर्म किया। सदन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वक्तव्य के बाद विपक्ष का वॉकआउट सिर्फ एक प्रक्रियागत विरोध नहीं था, बल्कि उस गहरे अविश्वास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की अभिव्यक्ति भी था, जो आज भारतीय राजनीति की मुख्य धुरी बन चुका है। अमित शाह ने सदन में घुसपैठ के मुद्दे पर तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि घुसपैठिए तय नहीं कर सकते कि देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कौन होगा। गृह मंत्री का यह कथन मात्र सुरक्षा नीति की अभिव्यक्ति नहीं था, बल्कि यह विपक्षी दलों पर एक परोक्ष वेध भी था कि वे ऐसे तत्वों के साथ राजनीतिक सहानुभूति रखते हैं जिन्हें जनता ने स्वीकार नहीं किया। विपक्ष को यह बात नागवार गुजरी और अचानक सदन से बाहर निकल जाने का फैसला लिया। इस पर शाह का तर्क था कि वे तो केवल घुसपैठियों को देश के लोकतांत्रिक ढांचे से बाहर रखने की बात कर रहे थे, लेकिन पता नहीं विपक्ष क्यों चला गया। शायद उन्हें उन पार्टियों से हमदर्दी है जिन्हें जनता वोट नहीं देती और जिनके पुराने वोट बैंक भी खत्म हो चुके हैं।

चुनावी राजनीति में वोट बैंक एक स्थापित वास्तविकता है, परंतु चुनाव आयोग की ईमानदारी पर लगातार उंगलियां उठाना, खासकर तब जब चुनाव परिणाम विपक्ष के प्रतिकूल हों, यह प्रवृत्ति नई नहीं है। शाह ने सदन में यह स्पष्ट किया कि भाजपा ने कभी चुनाव आयुक्त या चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा नहीं किया, भले ही चुनाव परिणाम उनके खिलाफ रहे हों। उन्होंने इमरजेंसी के दौर की याद दिलाते हुए कटाक्ष किया। जब पत्रकार भी सवाल पूछते थे तो उन पर भाजपा का एजेंट होने का ठप्पा लग जाता था। यह टिप्पणी न केवल कांग्रेस के ऐतिहासिक विरासत पर प्रहार थी, बल्कि आज के राजनीतिक वातावरण की तुलना भी थी, जिसमें संवाद की जगह सन्देह और आरोप फैलने लगे हैं। अमित शाह ने उत्तर प्रदेश और बिहार के पुराने चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि पर्चों के बक्से गायब कर दिए जाते थे, और चुनावी धांधलियों का बोलबाला था। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ईवीएम के आने के बाद यह खेल खत्म हुआ और चोरी बंद हो गई, इसीलिए कुछ लोगों को पेट में दर्द है। उनकी दृष्टि में ईवीएम ने भारतीय चुनावों को अधिक पारदर्शी बनाया है और उन राजनीतिक दलों के लिए असुविधा पैदा कर दी है जो चुनाव में हेरफेर को ही जीत का रास्ता समझते थे। यह तर्क बार-बार भाजपा की तरफ से दिया जाता रहा है कि कांग्रेस 2004 और 2009 में ईवीएम के माध्यम से ही सत्ता में आई थी, और तब मशीन पर सवाल नहीं उठाए गए। जैसे ही सत्ता हाथ से गई, वही मशीन अचानक अविश्वसनीय लगने लगी। सदन में सोनिया गांधी के मुद्दे पर हुए हंगामे ने बहस को और उलझाया। गृह मंत्री ने कहा कि ईवीएम का ट्रायल और सत्यापन कई बार हो चुका है। न केवल तकनीकी रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी, ईवीएम भारतीय चुनाव प्रणाली का हिस्सा बन चुकी है। चुनाव के 45 दिन बाद, जब किसी प्रकार की आपत्ति नहीं आती, तब चुनाव आयोग रिकॉर्डिंग या इसी तरह के साक्ष्य सुरक्षित रखने के लिए बाध्य नहीं हो

सकता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सीसीटीवी रिकार्डिंग संवैधानिक प्रावधान का हिस्सा नहीं है। शाह ने एक और दिलचस्प तथ्य रखा। भारत ने 73 वर्षों तक चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए कोई स्पष्ट कानून नहीं बनाया था। यह विषय हाल ही में चर्चाओं और नए कानूनों के निर्माण के साथ सुर्खियों में आया है। विपक्ष लगातार यह मांग करता रहा है कि चुनाव आयोग की नियुक्ति पूरी तरह से स्वतंत्र और न्यायालय की निगरानी में होनी चाहिए। इस पर रविशंकर का जवाब था कि जब जनता प्रधानमंत्री को परमाणु बटन सौंपने का भरोसा देती है, तब उसके नेतृत्व में ईमानदार और सक्षम चुनाव आयुक्त क्यों नहीं चुने जा सकते? रविशंकर प्रसाद ने भी इसी तर्क को आगे बढ़ाते हुए कहा कि मतदाता जिस नेतृत्व पर राष्ट्र की सुरक्षा का विश्वास करता है, वह चुनाव आयोग की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में भी सक्षम है। शीतकालीन सत्र की यह बहस केवल ईवीएम या घुसपैठ तक सीमित नहीं थी। यह बहस भारतीय लोकतंत्र के दो दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व कर रही थी। एक तरफ सरकार यह दावा कर रही थी कि पारदर्शी तंत्र के कारण अब चुनावी हेरफेर संभव नहीं है, वहीं विपक्ष यह संकेत दे रहा था कि चुनाव आयोग और संस्थागत तंत्र पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ता जा रहा है। इन दो दृष्टिकोणों के बीच सच्चाई कहां है, यह जनता को तय करना है। सदन में बहस से भागने और वॉकआउट की रणनीति लोकतंत्र की मजबूती से अधिक उसकी कमजोरी को दर्शाती है। अमित शाह की बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि उन्होंने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती दी। विपक्ष लगातार यह प्रचार करता रहा है कि लोकतंत्र खतरे में है, संस्थाएं कमजोर हो रही हैं और चुनाव प्रक्रिया से भरोसा उठा लिया गया है। शाह ने पलटकर कहा कि आपके हारने का कारण आपका नेतृत्व है। उनके अनुसार यह बहाना आधारित राजनीति है जिसमें पराजय का दोष कभी मशीन पर, कभी संस्थाओं पर और कभी भाजपा पर मढ़ दिया जाता है। चुनाव लोकतंत्र का सबसे स्पष्ट आईना है। जनता जिस नेतृत्व पर भरोसा करती है वही सत्ता तक पहुंचता है, और जो जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता, उसे जनादेश नहीं मिलता। इस पूरे विवाद का सार यही है कि लोकतंत्र में प्रश्न उठाना स्वाभाविक है, लेकिन प्रश्न उठाने और निराधार अविश्वास फैलाने में अंतर होता है। सरकार का दावा है कि पारदर्शिता, तकनीक और संस्थागत सुधारों ने चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाया है। विपक्ष का दावा है कि लोकतंत्र तभी सुरक्षित है जब सत्ता पक्ष से प्रश्न करने की पूरी स्वतंत्रता हो। दोनों ही बातें आंशिक रूप से सही हैं, लेकिन लोकतंत्र केवल तकनीकी या संस्थागत संरचनाओं से नहीं चलता है। यह राजनीतिक परंपराओं और सहभागिता पर भी आधारित होता है। विपक्ष का वॉकआउट, गृह मंत्री के कटाक्ष और सदन में जारी तल्खी भारतीय राजनीति की उस दिशा को भी दर्शाती है जिसमें संवाद की जगह टकराव ने ले ली है। यह भी सच है कि ईमानदारी और पारदर्शिता में वह शक्ति होती है जो नेतृत्व को निडर बनाती है। शायद इसी संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि जो नेता, संस्था या सरकार अपने काम पर भरोसा रखती है, वह बहस से नहीं भागती। जो नेतृत्व जनादेश से दूर होता जा रहा है, वह बहस से ज़्यादा हंगामे को अपना हथियार बना लेता है। शीतकालीन सत्र की यह घटना केवल एक दिन की संसदीय कार्यवाही नहीं थी, बल्कि भविष्य की राजनीति के संकेत भी थे। जहां चुनावी नैरेटिव, संस्थागत विश्वास, और राजनीतिक नैतिकता एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जनता इन बहसों को सुनती है, समझती है और अंततः उन्हीं आधारों पर आने वाले चुनावों में अपना निर्णय देती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है, और यही उसकी अंतिम कसौटी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यंग्य

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

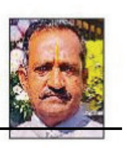

अपनी ऐसी किस्मत कहां कि मरने की खबर सुन सकें !

इस दुनिया में बहुत कम ऐसे किस्मत वाले हैं जो खुद की मौत की खबर सुन पाते हैं! यह ऐसा अवसर है जब मरने वाला अपने चाहने वालों और नफरत करने वालों की परख कर सकता है! हम जिस युग में जी रहे हैं या ये कहें कि जब तक हमारी सांस चल रही है, अपने स्वस्थ जीवन की प्रार्थना ईश्वर से करते रहते हैं। मैं कभी यह नहीं चाहता कि मुझे इतनी लंबी उम्र मिले कि बच्चों के कंधों का सहारा लेकर जीना पड़े। यूं तो वृद्धावस्था 60 के बाद परवान चढ़ने लगती है, जिसमें मैं चल पड़ा हूं। मैं जर्जर वृद्धावस्था की कल्पना मात्र से कांप जाता हूं। मैं यह कभी नहीं चाहता कि मुझे बीमारी की वजह से बड़े हॉस्पिटल में भर्ती होने का कष्ट झेलना पड़े। कारण यह कि बच्चे मुझे मरना नहीं देना चाहेंगे और डॉक्टर मुझे पूर्ण रूप से स्वस्थ करने से परहेज करेंगे! नतीजतन मुझे डॉक्टर की सलाह पर वेंटीलेटर पर रखे जाने का असहनीय खर्च बच्चों द्वारा उठाए जाने से मना भी नहीं किया जा सकेगा! यहां तक तो बात समझ में आती है। फिर मन घबरा उठता है कि वेंटीलेटर का नाम सुनते ही रिश्तेदार अथवा मित्र मंडली कभी भी मौत की झूठी खबर फैला सकते हैं! जब इस दुनिया में बड़े-बड़ों को ऐसे समाचारों से नहीं बख्शा गया तो मुझ जैसे छोटे ओहदे वाले की हैसियत ही क्या? वैसे बड़े-बूढ़ों की बातों पर विश्वास करें तो मौत की झूठी खबर इंसान को जिंदगी के कुछ अतिरिक्त दिन दे जाती है! तब मुझे ऐसा लगता है कि मेरी भी झूठी मौत की खबर कुछ लोगों की आंखें जरूर नम कर सकती है! ईश्वर द्वारा दिए गए जीवन-मरण के तय समय के अलावा वेंटीलेटर में दी जाने वाली बनावटी सांस किसी का गल्ला खाली कर जाती है तो किसी की दीवाली हो जाया करती है! हमारे एक मित्र ने ऐसी ही फेक मौत की खबर से अपने चाहने वालों को परखना चाहा। उसकी मौत की खबर फैला दी गई! खबर पाकर कुछ अंतिम दर्शन हेतु दौड़े चले आए। द्वार पर आकर अपने मित्र के चले जाने पर अफसोस जताने वाले फेक मृतक की नजरों में चढ़ गए। जो आए ही नहीं, सुनकर टाल गए, वे नजरों से उतर गए। वर्तमान दौर में किसी भी चीज या किसी की कही बात के पुख्ता होने की कोई गारंटी नहीं है ! इसी तरह फेक मौत की खबर फैलाने वाला मर ही गया हो, इस बात की भी कोई गारंटी नहीं! अतः लोग पहले एक-दूसरे से कन्फर्म करके ही अंतिम यात्रा में शामिल होने निकलते हैं! इसका दूसरा पक्ष बड़ा ही कष्ट देने वाला है। यदि मरने वाला किसी विधा में माहिर हो तो नजारा कुछ और ही होता है। घर वालों सहित पड़ोसी इस बात से बे-खबर होते हैं कि वेंटीलेटर में पड़ा उनका पारिवारिक सदस्य इस दुनिया में नहीं रहा! हमारे देश का मीडिया कई कदम आगे दौड़ते हुए चैनल में श्रद्धांजलि तक दे डालता है! जब परिजन नाराज होते हैं और जीवित होने का प्रमाण देते हैं तो वही मीडिया अफसोस जाहिर कर मरे को जिंदा कर देता है! कहने का मतलब यह कि सोशल मीडिया समय का इंतजार नहीं करता! कुछ होने के पहले या होने जैसा, होने का अंदेशा लगाकर 'ब्रेकिंग न्यूज' बनाने में देर नहीं करता! सोशल मीडिया के तारणहार व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक की महिमा ऐसे गाई जाती है जैसी हमें मनुष्य योनि में जन्म देने वाले ईश्वर की भी नहीं गाई जाती! किसी बीमारी की वजह से डॉक्टर ने यदि किसी को कम उम्र में भी वेंटीलेटर पर सुला दिया तो लोग चर्चा करने लगते हैं कि बस अब कुछ ही दिन शेष हैं! यह भी कहा जाने लगता है कि क्या पता फलाना जिंदा भी है या अस्पताल प्रबंधन अपना बिल बनाने के लिए ही जिंदा बता रहा है? व्हाट्सएप ग्रुप में गलती से मैसेज चला जाए तो श्रद्धांजलि और आरआईपी (रिप) का दौर चल निकलता है! कोई इस बात की चिन्ता भी नहीं करता कि खबर की पुष्टि कर ली जाए। सभी के मन में बस यही उतावलापन रहता है कि सबसे पहले पुष्पांजलि देकर वह खुद को दिवंगत आत्मा का करीबी और सबसे अधिक शोक-संतप्त सिद्ध कर सके। दुनिया के बदले हुए रिवाजों को देखकर मुझे भी ऐसा लगने लगा है कि इस निष्ठुर संसार को अलविदा कहने अथवा यहां से कूच करने से पहले मेरी भी बिदाई की खबर आम हो जाए! ऐसा होने से मुझे यह समझने में सहूलियत होगी कि आखिर मेरी जिंदगी की कीमत क्या थी? साथ ही यह भी कि कौन हितैषी मेरी रवानगी की खबर पर शोक - संतप्त है और कौन नहीं। बड़ी गंभीर मुद्रा में सोचता हूं कि वे बड़े नसीब वाले हैं , जिनकी मौत की खबर उन्होंने जीते जी देखी या सुनी है! अपनी किस्मत ऐसी कहां, कि अपन भी जीते जी मरने का आनंद ले सकें! शायद अपन उन लोगों में से हैं जो, जी-जीकर रोज मर रहे हैं ! अपनी तरफ ध्यान देने वाला न तो कोई शुभचिंतक है और न ही मर जाने की खबर पर अट्टहास करने वाला ही दिखाई पड़ता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

संकलित

दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य [illegible] के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना।सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

मृत्यु टाले नहीं टलती

संकलित

प्रेरणा

भगवान विष्णु गरुड़ पर बैठ कर कैलाश पर्वत पर गए। द्वार पर गरुड़ को छोड़ कर खुद शिव से मिलने अंदर चले गए। तब कैलाश की अपूर्व प्राकृतिक शोभा को देख कर गरुड़ मंत्रमुग्ध थे कि तभी उनकी नजर एक खूबसूरत छोटी सी चिड़िया पर [illegible] पड़ी। चिड़िया कुछ इतनी सुंदर थी कि गरुड़ के सारे विचार उसकी तरफ आकर्षित होने लगे। उसी समय कैलाश पर यम देव पधारे और अंदर जाने से पहले उन्होंने उस छोटे से पक्षी को आश्चर्य की दृष्टि से देखा। गरुड़ समझ गए उस चिड़िया का अंत निकट है और यमदेव कैलाश से निकलते ही उसे अपने साथ यमलोक ले जाएंगे। गरूड़ को दया आ गई। इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरता हुआ नहीं देख सकते थे। उसे अपने पंजों में दबाया और कैलाश से हजारो कोस दूर एक जंगल में एक चट्टान के ऊपर छोड़ दिया, और खुद वापिस कैलाश पर आ गए। आखिर जब यम बाहर आए तो गरुड़ ने पूछ ही लिया कि उन्होंने उस चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी नजर से क्यों देखा था। यम देव बोलेः गरुड़ जब मैंने उस चिड़िया को देखा तो मुझे ज्ञात हुआ कि वो चिड़िया कुछ ही पल बाद यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा खा ली जाएगी। मैं सोच रहा था कि वो इतनी जलदी इतनी दूर कैसे जाएगी, पर अब जब वो यहां नहीं है तो निश्चित ही वो मर चुकी होगी। गरुड़ समझ गए मृत्यु टाले नहीं टलती चाहे कितनी भी चतुराई की जाए।

अंतर्मन

आज की पाती

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखें

सोशल मीडिया के लगातार उपयोग ने बच्चों में चिंता, अवसाद, नींद की कमी, साइबर बुलिंग, पढ़ाई में गिरावट, आत्मविश्वास में कमी, हिंसक या भ्रामक सामग्री का संपर्क जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ाई हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग सहित कई संस्थाओं ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया कंपनियां नाबालिगों को प्लेटफॉर्म से दूर रखने में विफल रही हैं। इस बढ़ती चिंता के बीच दुनिया के दूसरे कोने से एक बेहद साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय सामने आया, ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर सख्त प्रतिबंध लागू कर दिया। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, स्नैपचैट, टिकटॉक जैसे सभी प्लेटफॉर्म अब 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अकाउंट बनाने की अनुमति नहीं देंगे। भारत में भी ऐसा ही होना चाहिए। - पीयूष सिन्हा, रायगढ़

करंट अफेयर

चीन गर्भनिरोधक दवाओं व उत्पादों पर कर लगाएगा

चीन तीन दशकों से भी अधिक समय में पहली बार जल्द गर्भनिरोधक दवाओं और उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूलना शुरू करेगा। यह कदम दशकों तक अधिकतर परिवारों को एक बच्चे तक सीमित रखने के बाद उन्हें अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के बीजिंग के प्रयासों के अनुरूप है। देश के नवीनतम मूल्य वर्धित कर कानून के अनुसार, एक जनवरी से ''गर्भनिरोधक दवाएं और उत्पाद'' कर-छूट की श्रेणी में नहीं रहेंगे। 'कंडोम' जैसे उत्पादों पर भी 13 प्रतिशत का सामान्य वैट लगेगा। बहरहाल, सरकारी मीडिया ने इस बदलाव को ज्यादा तवज्जो नहीं दी है लेकिन यह विषय चीनी सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है। लोग मजाक में कह रहे हैं कि कोई बेवकूफ ही होगा जिसे यह समझ न हो कि बच्चा पालना, कर लगे कंडोम खरीदने से कहीं ज्यादा महंगा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गर्भनिरोधकों की कीमत बढ़ने से अनियोजित गर्भधारण और यौन संक्रमित रोगों में वृद्धि हो सकती है। 1980 से 2015 तक लागू रही चीन की एक-संतान नीति के दौरान भारी जुर्माने, दंड और कभी-कभी जबरन गर्भपात तक कराए जाते थे। तय सीमा से अधिक जन्मे बच्चों को कई बार पहचान संख्या नहीं दी जाती थी, जिससे वे प्रभावी रूप से 'गैर-नागरिक' बन जाते थे।

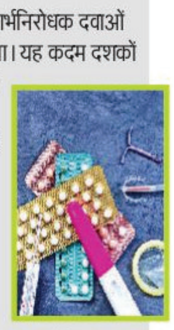

ऑफ बीट

सौ वर्षों से हम तारों की दुनिया से हो रहे रूबरू

तारीख थी सात मई 1925। प्राचीन काल से ही लोग तारों और ग्रहों को अपने-अपने तरीके से समझने का प्रयास करते आएं हैं। 1700 के दशक में, सौरमंडल का एक घड़ीनुमा मॉडल, ऑरेरी, विकसित किया गया। "प्लैनेटोरियम" यानी तारामंडल शब्द का आविष्कार ग्रहों को दर्शाने वाले 'ऑरेरी' का वर्णन करने के लिए किया गया था। खगोलशास्त्री ईसे ईसिंगा ने एक कमरे के आकार का ऑरेरी मॉडल तैयार किया था। यह आज भी नीदरलैंड के फ्रैनेकर में काम कर रहा है। इस दृश्य को देखने के लिए कोई भी मनुष्य सौरमंडल के आसपास नहीं गया है। ऑरेरी और ब्रह्मांड के अन्य यांत्रिक मॉडल जैसे आकाशीय ग्लोब ही बाहरी परिप्रेक्ष्य से दृश्य प्रस्तुत करते हैं। तारों और ग्रहों को वास्तविक रूप से देखने की इच्छा 20वीं सदी की शुरुआत में तेजी से बढ़ी, क्योंकि बढ़ते शहरीकरण से होने वाले प्रदूषण ने रातों में दिखने वाले आकाश को धुंधला कर दिया था। जर्मनी के म्यूनिख में स्थित डॉयचे संग्रहालय के प्रथम निदेशक ओस्कर वॉन मिलर जैसे लोग तारों और ग्रहों से सभी को रूबरू कराना चाहते थे। दिलचस्प बात यह है कि वॉन मिलर के करियर की शुरुआत एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में हुई थी।

ट्रेंड

हॉकी टीम को बधाई

एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 में इतिहास रचने पर भारतीय टीम को हार्दिक बधाई! हमारी युवा और जोशीली टीम ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत के लिए पहला कांस्य पदक जीता है। यह उपलब्धि देश के युवाओं को प्रेरित करती है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वायु प्रदूषण राष्ट्रीय आपदा

वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय आपदा बन चुका है, जिसके खिलाफ़ तत्काल, व्यापक और निर्णायक राष्ट्रीय योजना की ज़रूरत है। यह हम सबकी ज़िम्मेदारी है जिसके नियंत्रण, समाधान और हमारे लोगों के भविष्य की रक्षा के लिए हम प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

वसुधैव कुटुंबकम्

भारतीय संस्कृति की 'वसुधैव कुटुंबकम' की विराट वैश्विक भावना मिलने-जुलने और मेल-मिलाप से ही फलीभूत होती है। दुनियाभर में आपसी एतबार से भाईचारा और भाईचारे से अमन-चैन आता है, जिससे हर किसी के लिए खुशहाली लाने वाली तरक्की मुमकिन होती है।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

शिवराज पाटिल को नमन

पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ राजनेता शिवराज पाटिल जी का निधन दुःखद। ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें एवं दुःख की इस घड़ी में उनके परिजनों को धैर्य धारण करने की शक्ति दें।
- नीतीश कुमार, सीएम, बिहार

ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए बदलाव आवश्यक

ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि देश के सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए हर नागरिक में व्यवहारिक परिवर्तन बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन शैली अपनाने की चेतना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का मूल है।

यही विचार लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरनमेंट लाइफ के माध्यम से पूरी दुनिया तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा भारत के ऊर्जा परिवर्तन की सफलता के लिए हर क्षेत्र और हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए व्यवहार में बदलाव बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण सबसे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा का सबसे विश्वसनीय स्रोत है। ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऊर्जा का बुद्धिमानी से, जिम्मेदारी से और कुशलता से उपयोग करना है। उन्होंने कहा जब हम अनावश्यक विद्युत उपकरणों के उपयोग से बचते हैं, ऊर्जा-कुशल उपकरण अपनाते हैं, घरों और कार्यस्थलों में प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन का उपयोग करते हैं या सौर और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प अपनाते हैं, तो हम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ऊर्जा संरक्षण स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल स्रोत और संतुलित परिवेश बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दो साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी की दया याचिका खारिज की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र में 2012 में दो साल की बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के दोषी व्यक्ति की दया याचिका खारिज कर दी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति पद पर 25 जुलाई, 2022 को आसीन होने के बाद मुर्मू द्वारा खारिज की गई यह तीसरी दया याचिका है।

उच्चतम न्यायालय ने तीन अक्टूबर, 2019 को रवि अशोक घुमारे को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि उसका अपनी कामुक इच्छाओं पर कोई नियंत्रण नहीं था और उसने अपनी यौन भूख को शांत करने के लिए सभी प्राकृतिक, सामाजिक और कानूनी सीमाओं को तार-तार कर दिया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत (जो अब प्रधान न्यायाधीश हैं) की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने दो अनुपात एक के बहुमत से कहा कि उस व्यक्ति ने एक ऐसे जीवन को निर्दयतापूर्वक समाप्त कर दिया जो अभी खिलना बाकी था और दो वर्षीय बच्ची से अप्राकृतिक अपराध करने का उसका कृत्य एक गंदी और विकृत मानसिकता को दर्शाता है, जो क्रूरता की एक भयावह कहानी को प्रदर्शित करता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण गंभीर स्तर पर, एक्यूआई 400 पार

नयी दिल्ली नोएडा। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रविवार को वायु प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंच गया जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 पार रहा। यह जानकारी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने दी।

राष्ट्रीय राजधानी में रातभर घनी धुंध छाई रही, जिससे लोगों को सांस लेने में कठिनाई हुई। सीपीसीबी के अनुसार, सुबह दिल्ली का एक्यूआई 459, नोएडा का 469 और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 442 मापा गया। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, एक्यूआई 0 से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बेहद खराब और 401 से 500 गंभीर माना जाता है। मौसम विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.4 डिग्री कम 8.2 डिग्री सेल्सियस रहा और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 100 प्रतिशत दर्ज की गई। बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए, दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने शनिवार को सभी स्कूलों को नौवीं और 11वीं की पढ़ाई हाईब्रिड मोड पर कराने का निर्देश दिया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के स्तर को और बिगड़ने से रोकने के लिए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत सख्त प्रतिबंध शनिवार से लागू किए।

संक्षेप

यूक्रेन शांति वार्ता के लिए अमेरिकी राजदूत पहुंचे बर्लिन

बर्लिन। यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता कराने को लेकर वार्ता के एक अन्य दौर के लिए अमेरिका के राजदूत रविवार सुबह बर्लिन पहुंचे। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए के एक फोटोग्राफर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर को बर्लिन में देखा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन, अमेरिका और यूरोपीय अधिकारी आने वाले दिनों में बर्लिन में कई बैठकें करेंगे। जेलेंस्की ने शनिवार देर रात राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप के दूतों से मिलूंगा और साथ ही हमारे यूरोपीय साझेदारों और कई नेताओं के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए एक राजनीतिक समझौते पर बैठकें होंगी। ट्रंप, रूस से युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए कह रहे हैं और समझौते पर सहमति बनने में हो रही देरी से लगातार परेशान हो रहे हैं। वाशिंगटन कई महीनों से दोनों पक्षों की मांगों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। संभावित समझौतों की तलाश में कई बड़ी बाधाएं आई हैं, जिनमें यूक्रेन के पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र पर नियंत्रण और यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी शामिल है। पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र पर रूस की सेना का कब्जा है।

द. अफ्रीका में मंदिर गिरने से चार लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका स्थित भारतीय कस्बे रेडक्लिफ में चार मंजिला अहोबिलम मंदिर के निर्माण स्थल पर कई टन कंक्रीट गिरने से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। दक्षिण अफ्रीका की प्रतिक्रिया इकाई के प्रवक्ता प्रेम बलराम ने स्थानीय मीडिया को बताया कि बचाव अभियान दो दिन से जारी है और बचावकर्मियों को एक अन्य शव होने का पता चला है लेकिन उन्हें खराब मौसम के कारण शनिवार दोपहर अभियान रोकना पड़ा। उन्होंने कहा इस समय यह पुष्टि नहीं की जा सकती कि मलबे के नीचे और भी लोग फंसे हुए हैं या नहीं। मृतकों में से एक की पहचान विकी जयराज पांडे (52) के रूप में हुई है जो दो साल पहले मंदिर की स्थापना के बाद से इसमें सेवाएं दे रहे थे। पांडे मंदिर के कार्यकारी सदस्य और निर्माण परियोजना के प्रबंधक थे। मंदिर से संबद्ध धर्मार्थ संस्था फूड फॉर लव के निदेशक सनवीर महाराज ने पुष्टि की कि एथेक्विनी (पूर्व में डरबन) के उत्तर में एक पहाड़ी पर स्थित मंदिर के ढहने में मारे गए लोगों में पांडे भी शामिल थे।

शिखर सम्मेलन में जयशंकर ने समकक्षों से की मुलाकात

एजेंसी

दुबई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन से इतर यूरोप, ब्रिटेन और मिस्र के अपने समकक्षों से मुलाकात की।

कई महत्वपूर्ण भूराजनीतिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों पर चर्चा के लिए विश्व के नेता और नीति निर्माता यूएई में एकजुट हुए हैं। जयशंकर ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल, पोलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की और लातविया की विदेश मंत्री बैबा ब्रेज के साथ मिलकर बहुत अच्छा लगा। मंत्री संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में तीन दिवसीय सर बानी यास फोरम 2025 में भाग लेने पहुंचे थे। सम्मेलन रविवार को समाप्त हुआ। जयशंकर ने शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी से भी मुलाकात की।

उन्होंने एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी को सर बानी यास फोरम 2025 के दौरान देखकर अच्छा लगा। विदेश मंत्री ने एक अन्य बैठक को लेकर कहा कि मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बदर अब्देलट्टी से मुलाकात करके अच्छा लगा। सर बानी यास फोरम एक वार्षिक मंच है जो क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए वैश्विक नेताओं, मंत्रियों और विशेषज्ञों को एक साथ लाता है।

मत पत्र से चुनाव पर नहीं जीत सकती भाजपा : प्रियंका गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को दावा किया कि यदि देश में सही चुनाव और मत पत्र से चुनाव करा लिए जाएं तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कभी चुनाव नहीं जीत सकती।

कांग्रेस नेता ने यहां वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में यह भी कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का विश्चास घट रहा है तथा सिर्फ निर्वाचन आयोग की बदौलत चुनाव जीता जा रहा है। प्रियंका गांधी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर दावा किया कि उत्तर प्रदेश में तीन करोड़ नामों को मतदाता सूचियों से काटे गए हैं। उनका कहना था कि बिहार विधानसभा चुनाव में हार को लेकर कांग्रेस समर्थकों को मायूस होने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह चुनाव 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटकर और आचार संहिता के बीच लोगों के खातों में 10-10 हजार रुपये पहुंचाकर चोरी हुआ है। प्रियंका गांधी ने कहा जब सब संस्थाओं को कुचला जा रहा है, तो एक-एक भारत वासी को उठना चाहिए, जागना चाहिए और समझना चाहिए कि देश के व्यक्ति पर वार हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि आज के समय में न्यायपालिका दबाव में है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, एक सही चुनाव लड़ लें, मत पत्र पर लड़ लें तो ये (भाजपा) खुद जानते हैं कि कभी नहीं जीत जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव की घोषणा लेकर नतीजे तक हर चीज को संदिग्ध बना दिया गया है। प्रियंका गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी।

यह देश इन तीन चुनाव आयुक्तों के नाम नहीं भूलेगा। मोदी सरकार इन्हें बचाने की कितनी भी कोशिश कर ले, लेकिन एक दिन इन्हें देश को जवाब देना होगा। उन्होंने दावा किया आज भाजपा को चुनाव आयोग की जरूरत है, क्योंकि उसके बिना नरेंद्र मोदी चुनाव नहीं जीत सकते। हमें चुनाव आयोग के तीन अधिकारियों के नाम नहीं भूलने हैं, क्योंकि ये लोग लोकतंत्र पर वार कर रहे हैं। उनका कहना था, इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब पूरा विपक्ष कह रहा है।

सत्य के साथ खड़े रहकर मोदी व आरएसएस की सरकार को हरायेंगे : राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी तथा निर्वाचन आयोग पर कड़ा हमला बोला और कहा कि उनकी पार्टी सत्य के साथ खड़े होकर प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस की सरकार को देश की सत्ता से हटाएगी।

राहुल ने यहां रामलीला मैदान में कांग्रेस की वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली को संबोधित करते हुए दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आत्मविश्वास खत्म हो गया क्योंकि उन्हें पता चल गया है कि उनकी वोट चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने यह आरोप फिर दोहराया कि निर्वाचन आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर काम कर रहा है। राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान का हवाला देते हुए कहा भागवत ने कहा कि विश्व सत्य को नहीं शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है उसे माना जाता है। यह विचारधारा आरएसएस की है। हमारी विचारधारा, हिंदुस्तान की विचारधारा, हिंदू धर्म की विचारधारा और दुनिया के सभी धर्मों की विचारधारा कहती है कि सत्य सबसे जरूरी हैं। भागवत कहते हैं कि सत्य का कोई मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है। उन्होंने कहा, सत्य और असत्य के बीच लड़ाई है। हम सत्य के साथ खड़े होकर हिंदुस्तान से नरेन्द्र मोदी, अमित शाह तथा आरएसएस सरकार को हिंदुस्तान से हटाएंगे। भागवत ने शनिवार को अंडमान में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता को आकार देने में केवल सत्य से कहीं अधिक शक्ति का योगदान है।

उन्होंने कहा था विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है, उसको मानता है। भले मन से नहीं, पर मानता जरूर है। राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग का हवाला देते हुए चेतावनी भरे लहजे में कहा, कांग्रेस पार्टी आपसे (निर्वाचन आयुक्त) कह रही है, आप हिंदुस्तान के निर्वाचन आयुक्त हो, नरेन्द्र मोदी के निर्वाचन आयुक्त नहीं हो। हम कानून पूर्वव्यावी रूप से बदलेंगे और आपके खिलाफ कार्वाई करेंगे। उन्होंने दावा किया कि संसद में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान अमित शाह का हाथ कांप रहा था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था, आप सबने देखा होगा कि सदन में अमित शाह का हाथ कांप रहा था। अमित शाह तभी तक बहादुर हैं, जब तक इनके हाथ में सत्ता है। जिस दिन सत्ता गई, उसी दिन इनकी बहादुरी भी निकल जाएगी।

श्रीलेखा की तिरुवनंतपुरम में लेफ्ट का गढ़ ढहाने में अहम भूमिका

केरल की पहली महिला आईपीएस अब बनेंगी शहर की मेयर

एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को चौंका दिया

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

भाजपा ने शनिवार को केरल के तिरुवनंतपुरम निगम चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। इस जीत ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को चौंका दिया। राज्य की सियासत में यह बड़ा उलटफेर था। अब सवाल यह है कि क्या केरल की पहली महिला आईपीएस अधिकारी आर. श्रीलेखा राजधानी में भाजपा की पहली मेयर बनेंगी। तिरुवनंतपुरम में जन्मी श्रीलेखा 1987 में केरल की पहली महिला आईपीएस अधिकारी बनीं।

तीन दशक तक कई जिलों में नेतृत्व किया

आर. श्रीलेखा

4 दशकों से वामपंथ का एक गढ़ रहा

तिरुवनंतपुरम 4 दशकों से वामपंथ का एक गढ़ रहा था, जिसे इस बार बार भाजपा ने भेद दिया है। इस हफ्ते केरल में दो चरणों में स्थानीय निकाय चुनाव के लिए मतदान हुआ, जिसके बाद शनिवार को नतीजे सामने आए। इन नतीजों में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने तिरुवनंतपुरम निगम चुनाव में जोरदार जीत हासिल की और माकपा के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से निगम की सत्ता छीन ली।

भाजपा ने मजबूत प्रदर्शन किया

कुल 101 वार्डों में से भाजपा ने अकेले 50 वार्डों में जीत हासिल की। जबकि एलडीएफ ने 29, यूडीएफ ने 19 और दो वार्ड निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीते। तिरुवनंतपुरम निगम के सस्थामंगलम वार्ड से जीत हासिल करने वाली श्रीलेखा को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए का मेयर पद का चेहरा बन गई हैं। भाजपा के लिए यह अहम जीत है।

मेयर बनाने का फैसला पार्टी करेगी

श्रीलेखा ने कहा कि मैंने सुना है कि सास्थमंगलम वार्ड में पहले किसी उम्मीदवार ने इतने बड़े अंतर से जीत हासिल नहीं की। हम जनादेश के लिए आभारी हैं। मेयर बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर पार्टी फैसला करेगी। सेवानिवृत्ति के बाद भी श्रीलेखा खबरों में रही, खासकर उनके उन बयानों के कराण। साथ ही उन्होंने कई अहम बातें कही हैं।

'हिंदूसभा' से 'हीथ्रो' (लन्दन) तक...डॉ. रजनीकान्त मिश्र

जी हां ! सही पढ़ा आपने ! यह संघर्ष यात्रा है डॉ. रजनीकान्त मिश्र की जिनका दाहिना पैर मात्र छः माह की उम्र में पोलियो ग्रस्त हो गया गया था / इलाहाबाद (अब प्रयागराज) जिले के गांव सिधवार से उनके पिता उन्हें इलाज हेतु मुंबई लेकर आए जहां एक बड़े से ऑपरेशन के बाद पांच वर्ष की उम्र में वो 'कैलीपर' पहनकर पहली बार चल पाए / पर अगले दो वर्ष बाद पुनः उसी पैर के दो और ऑपरेशन करने पड़े / पैर में कठिनाई के नाते उनके पिता उन्हें सातवीं कक्षा तक कभीकभार पैदल पर अधिकतर तो गोद में ही लेकर अस्पताल, स्कूल जाते रहे / माता पिता का उनके भविष्य को लेकर चिंतित रहना स्वाभाविक था तदनुरूप माता की आंखों में आंसूओं की मात्रा ज्यादा थी ही ! पर पिता धीर गंभीर ! उन्हें जिंदगी के संघर्ष में विजयी होने के सारे गुण सिखाते रहे / इसी का परिणाम यह रहा कि डॉ. रजनीकान्त मिश्र पढ़ाई में सदैव अव्वल रहे /पूना बोर्ड साथ ही मुंबई यूनिवर्सिटी में भी रेखांकित हुए / मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही उनका रुझान कविताओं की ओर हुआ / पर जिंदगी की जिम्मेदारियां उन्हें घाटकोपर स्थित हिन्दूसभा हॉस्पिटल ले आईं जहां अपने प्रशासकीय दायित्व को निभाते हुए उन्होंने अपनी काव्य रुचि को भी कायम रखा / तत्कालीन कवियों की रचनाओं को सुनकर उनका मन काव्य मंचों की ओर आकृष्ट हुआ / तमाम सफलता / असफलता का सामना करते हुए धीरे धीरे सभी प्रमुख टीवी चैनलों,एफ.एम.रेडियो चैनल , विविध काव्य मंचों पर अपनी हास्य व्यंग्य की रचनाओं एवं श्रृंगारिक मुक्तकों, गीतों, दो फिल्मों में अभिनय से उन्होंने अपना एक मुकाम बना ही लिया फलस्वरूप तमाम पुरस्कारों से ये नवाजे गए हैं /

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202511031100029

विषयः-अ-2

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सत्तः-2025-2026

पाकरगांव प.ह.न. 00019 [642/5(0.0600 हे0)]

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार खुलेश्वर बेहरा पिता टंकाधर,

अनावेदक पक्षकार -छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पाकरगांव प.ह.न. 19, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक खुलेश्वर बेहरा पिता टंकाधर जाति महकुल, निवासी ग्राम पाकरगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला- जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम पाकरगांव प. ह. नं. 19 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 642/5 रकबा 0.0600 है. (607.80 वर्गमीटर) का आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 26.11.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय /स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्य सहित समयावधि में दिनांक 26.12.2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेषानुसार निराकरण किया जावेगा।यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 24 11/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202512031100021

विषयः-अ-2

मामले की श्रेणीः राजस्व

सत्तः-2025-2026

पत्थलगांव प.ह.न. 00006 [654/1/4 (0.0610 हे 0)]

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार सूरज पटनायक पिता रविन्द्र पटनायक, सौदामिनी पिता रविन्द्र कुमार, योगेश पटनायक पिता रविन्द्र कुमार,

अनावेयक पक्षकार -छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06, तहसील पत्वलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सूरज पटनायक आ. रविन्द्र कुमार, सौवामिनी आ. रविन्द्र कुमार, योगेश पटनायक आ. रविन्द्र कुमार जाति महती निवासी ग्राम पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06, रा.नि.मं. पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ब.नं. 654/1/प रकबा 0.061 हे0 (610 वर्गमीटर) भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ (मकान निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु छ.ग. मू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 31.12.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो ये नियत दिनांक/समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्रात किसी भी दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 31/12/2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेषानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/12/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202511020700047/

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणीः राजस्व

सनः-2025-2026

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [1789/12(0.024080)

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार सत्येन्द्र दुबे,

अनावेदक पक्षकार चन्द्रमनी देवी,

ईश्तहार

आवेदक सत्येन्द्र दुबे आ०स्व०शिवशंकर दुबे व अन्य निवासी ग्राम मायापुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1789/12 रकबा 0.024 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत खातेदार बन्द्रमणी देवी का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/01/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/11/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

इश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुप बड़ा आ० इमिल बड़ा जाति उरांव निवासी रजौटी तहसील कुनकुरी जिला जशपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 765/4 रकबा 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, ले-आउट, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्रमांक ब-121/2025-26

आम जनता ग्राम बत्तरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक बोधन सिंह आ० प्रेम जाति गोड़ निवासी ग्राम बतरा तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 26/06/1966 को ग्राम बतरा में घर में जन्म होना बताकर जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत मय आवेदन, शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत का पंचनामा, सहित पेश किया गया है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र पत्र जारी करने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 26/12/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 12/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं
कार्यपालिक दंडाधिकारी
भटगांव जिला सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम – मोहली प.ह.न. – 17

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नेहरू पैकरा पिता रामसुभग जाति कंवर निवासी ग्राम मोहली प.ह.न 17 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छःग) द्वारा आवेदक पेश किया है कि आवेदक स्वयं नेहरू पैकरा का जन्म दिनांक 01-01-1984 को ग्राम मोहली में हुई है। अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक स्वयं नेहरू पैकरा का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत मोहली को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक... 29/12/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०

-: शपथ पत्र :-

ई स्टॉम्प सर्टिफिकेट नं० कठ-IN-CG75957664149759X

मै अशील्या चौहान पति स्व. रविन्द्र चौहान उम्र करीब 35 वर्ष, जाति गांड़ा निवासी ग्राम इंजको थाना व तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर छ.ग. की निवासी होकर निम्न कथन शपथ पूर्वक करती हूँ

1/ यह कि मुझे अपने पुत्र अयांश चौहान पिता स्व. रविन्द्र चौहान के आधार कार्ड में त्रुटिवश नाम अमाश चौहान माता का नाम दुवसा बाई एवं जन्म तिथि 01/01/2012 दर्ज किया गया है जिसे सुधार कर संसोधन करने हेतु शपथ पत्र निष्पादित करने की आवश्यकता हुई है।

2/ यह कि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम अयांश चौहान AYANSH CHAUHAN पिता स्व. रविन्द्र चौहान (RAVINDRA CHAUHAN) एवं माता का नाम अशील्या चौहान (ASHILYA CHAUHAN) एवं वास्तविक जन्म तिथि 10/08/2011 दर्ज करने हेतु शपथ पत्र निष्पादित कर रही हूँ।

3/ यह कि उक्त शपथ पत्र के आधार पर मेरे पुत्र का आधार कार्ड में संसोधन कर त्रुटिपूर्ण नाम के स्थान पर वास्तविक नाम अयांश चौहान पिता स्व. रविन्द्र चौहान एवं माता का नाम अशील्या चौहान एवं जन्म तिथि 10/08/2011 दर्ज करने का निवेदन है।

अतः शपथ पत्र लिख दी जो सनद रहे व समय पर काम आवे।

शपथकर्ता
अशील्या

आदिवासी बालक छात्रावास के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री की सौजन्य मुलाकात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में शासकीय आदर्श पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को शहीद वीर नारायण सिंह जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। शहीद वीर नारायण सिंह जयंती के अवसर पर यह भव्य समारोह 15 दिसंबर 2025 को रायपुर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन आदिवासी छात्र-छात्राओं द्वारा शासकीय आदर्श पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास, पेंशन बाड़ा, रायपुर में शाम 7 बजे से किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आयोजन की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और कार्यक्रम के सफल आयोजन की कामना की। इस अवसर पर छात्रावास अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम नेताम सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की अध्यक्षता में आज यहां विधानसभा के समिति कक्ष में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक आयोजित की गई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की अध्यक्षता में आज यहां विधानसभा के समिति कक्ष में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे।

विकसित छत्तीसगढ़ का रोडमैप है छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047: मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में छत्तीसगढ अंजोर विजन 2047 पर चर्चा करते हुए कहा कि यह विजन प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का स्पष्ट रोडमैप है। उन्होंने कहा कि यह दस्तावेज आने वाले वर्षो में राज्य के विकास की दिशा तय करेगा। उन्होंने इस मौके पर विकसित छत्तीसगढ के निर्माण में सहभागी बनने के लिए सभी सदस्यों से आव्हान किया। उन्होंने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए राज्य के अतीत, वर्तमान उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर प्रकाश डाला।

भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 14 दिसंबर 2000 को राजकुमार कॉलेज के जशपुर हॉल में छत्तीसगढ़ विधानसभा की पहली बैठक आयोजित हुई थी। यह जशपुर हॉल स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव द्वारा अपने सांसद निधि से निर्मित कराया गया था। उन्होंने इस स्मृति का उल्लेख करते हुए प्रदेश की लोकतांत्रिक यात्रा को नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विजन डॉक्यूमेंट के निर्माण के लिए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी को बधाई देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में यह दस्तावेज तैयार हुआ है, जो आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा तय करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद वे अब तीसरी बार देश का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रयासों से भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

विकसित छत्तीसगढ़ की यात्रा के लिए हमने कुछ महत्वपूर्ण चरण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य रखा है। उनके अनुरूप हमने भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का लक्ष्य तय किया है। विकसित छत्तीसगढ़ की यात्रा के लिए हमने कुछ महत्वपूर्ण चरण बनाये हैं। हमने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए समय अवधि तय की है। जैसे वर्ष 2030 तक हम निकटवर्ती लक्ष्य हासिल करेंगे। इसी तरह साल 2035 तक मध्यवर्ती और 2047 तक दीर्घकालिक लक्ष्य हासिल करेंगे।

अंजोर विजन में 13 क्षेत्रों को किया गया चिन्हांकित

छत्तीसगढ़ अंजोर विजन डाक्यूमेंट जनभागीदारी का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे तैयार करने के लिए हमने किसान, युवा, महिला, उद्यमी, कारोबारी समेत समाज के हर वर्ग से सुझाव मांगे। मुझे स्वयं उनसे प्रत्यक्ष बातचीत करने का मौका मिला। इस अंजोर विजन में हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अधोसंरचना जैसे 13 क्षेत्रों को चिन्हांकित कर इनके विकास के लिए 10 मिशन गठित करने का निर्णय लिया। हम ग्रामीण विकास के साथ.साथ अर्बन प्लानिंग के बेहतरीन मॉडल खड़े कर रहे हैं। नवा रायपुर भविष्य का सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर है। यह शहर मेडिकलए एजुकेशन, टेक्सटाइल, आईटी और एआई का ग्लोबल हब बनने जा रहा है। हम ग्रामीण विकास के साथ.साथ अर्बन प्लानिंग के बेहतरीन मॉडल खड़े कर रहे हैं। नवा रायपुर भविष्य का सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर है। यह शहर मेडिकल, एजुकेशन, टेक्सटाइल, आईटी और एआई का ग्लोबल हब बनने जा रहा है।

गरीबों, किसानों और वंचित वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बीते वर्षों में गरीबों, किसानों और वंचित वर्गों के लिए अनेक योजनाएं चलाई गईं और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयास किए गए। उन्होंने बताया कि सरकार की पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख आवासों को स्वीकृति दी गई। महिला सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना एक ऐतिहासिक पहल बनी। लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता दी जा रही है। डीबीटी के माध्यम से अब तक 22 किस्तों में 14 हजार 306 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज और वनोपज संग्राहकों के हित में तेंदूपत्ता पारिश्रमिक 4000 से बढ़ाकर 5500 रुपये किया गया है। 13 लाख परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है। चरणपादुका योजना पुनः प्रारंभ की गई है तथा 73 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

इको-टूरिज्म, बस्तर पंडुम तथा बस्तर ओलंपिक से बनी बस्तर की पहचान

बस्तर में बस्तर ओलंपिक एवं बस्तर पांडुम जैसे कार्यकमों के माध्यम से बस्तर की आम जनता तक पहुंच रहे है ।इस साल बस्तर पांडुम में इस बार 3 गुना लोगों के हिस्सा लेने का अनुमान है। जो हमारी सरकार की सफलता को दिखाती है। आइए इस ऐतिहासिक दिन में हम सभी संकल्प ले की प्रदेश की विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को पूरा करे। इको-टूरिज्म, बस्तर पंडुम तथा बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन नई पहचान बना रहे हैं।

8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापार और उद्योग के लिए नई औद्योगिक नीति लागू की गई है। अब तक 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। लॉजिस्टिक पार्क, एयर कार्गो सुविधा और औद्योगिक पार्क स्थापित किए गए हैं। स्थानीय रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारी सरकार 2 साल में 10 हजार से ज्यादा बेटी बेटा को सरकारी नौकरी दिया गया है। ऊर्जा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख करोड़ का निवेश हुआ है।

आत्मसमर्पण करने वाले और गिरफ्तार हुए माओवादी का पुनर्वास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प के साथ हमारे बहादुर जवानों के अदम्य साहस से माओवाद अब अंतिम पड़ाव पर है। हम मार्च 2026 तक माओवाद की समाप्ति की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले और गिरफ्तार हुए माओवादी का पुनर्वास किया जा रहा है। सुरक्षा के साथ-साथ विकास के जरिए बस्तर को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के तहत सुदूर गांवों में राशन, आधार, आयुष्मान कार्ड, आवास, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई गई हैं। बस्तर में स्कूल पुनः शुरू हुए हैं और इको-टूरिज्म, बस्तर पंडुम तथा बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन नई पहचान बना रहे हैं।

छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध राज्य

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले दो वर्षों में 10 हजार से अधिक बेटियों और बेटों को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध राज्य है। मुख्यमंत्री ने सदन और प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि सभी मिलकर विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का संकल्प लें।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में डबल सब्सिडी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों पर सोलर रूफटॉप लगाने पर केंद्र और राज्य की डबल सब्सिडी प्रदान कर रहे हैं। ऊर्जा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी दी जा रही है। सौर ऊर्जा के एक किलोवॉट क्षमता के प्लांट के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 30 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 15 हजार रूपए इस प्रकार कुल 45 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के द्वारा प्रस्तुत विजन 2047 की चर्चा में भाग लेने वालों में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा, मंत्री रामविचार नेताम, विधायक सर्वश्री अजय चन्द्राकर, धरमलाल कौशिक, राजेश मूणत, धरमजीत सिंह, सुनील सोनी, श्रीमती भावना बोहरा, सुश्री लता उसेंडी, अनुज शर्मा, सुशांत शुक्ला तथा किरण देव शामिल रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में ऐतिहासिक उपलब्धि:मुख्यमंत्रीने कॉफी टेबल बुक का किया अनावरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत अपनी प्रथम मंत्रिपरिषद बैठक में 18 लाख आवास स्वीकृत किए जाने के निर्णय के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक आकर्षक कॉफी टेबल बुक का अनावरण किया। यह पुस्तक राज्य में ग्रामीण आवास योजना के तहत प्राप्त ऐतिहासिक प्रगति, नवाचारों और उपलब्धियों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत राज्य को प्राप्त 26.27 लाख आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 24.37 लाख आवासों की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, जबकि 17.14 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि वर्तमान सरकार ने अपने मात्र दो वर्षों के अल्प कार्यकाल में ही लगभग 8 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण कर राज्य में ग्रामीण आवास निर्माण के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 10,000 आजीविका डबरी निर्माण कार्यों का भी शुभारंभ किया। इन डबरियों को मई 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मनरेगा के तहत पात्र हितग्राहियों, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थी भी शामिल हैं, की निजी भूमि पर इन डबरियों का निर्माण किया जाएगा। इससे न केवल ग्रामीण रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि किसानों एवं ग्रामीण परिवारों की आजीविका और आय में भी स्थायी वृद्धि सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम के दौरान कवर्धा जिले के जनमन आवास योजना के हितग्राहियों तथा नारायणपुर जिले के आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं नक्सल हिंसा से पीड़ित परिवारों के लिए संचालित विशेष परियोजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को आजीविका डबरी के स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए, जो सामाजिक पुनर्वास और मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारीक सिंह, प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालक एवं महात्मा गांधी नरेगा के आयुक्त तारन प्रकाश सिन्हा तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना पिपरी का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार द्वारा थाना पिपरी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना की संपूर्ण कार्यप्रणाली का सूक्ष्म एवं गहन अवलोकन किया गया। इस क्रम में थाना कार्यालय, अभिलेखों की अद्यतन स्थिति, लंबित एवं निस्तारित विवेचनाओं, आईजीआरएस प्रकरणों तथा थाना परिसर की स्वच्छता एवं व्यवस्था का परीक्षण किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा लंबित विवेचनाओं का शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने तथा आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित शिकायतों की प्राप्ति, निस्तारण एवं परामर्श व्यवस्था की समीक्षा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक प्रकरण में पूर्ण संवेदनशीलता, तत्परता एवं सम्मानजनक व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि पीड़ित महिलाओं/बालिकाओं को त्वरित सहायता, उचित मार्गदर्शन एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनकर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनहितैषी बनाए जाने पर विशेष बल दिया।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल की ऊजार्वान छत्तीसगढ़ कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवीन विधानसभा परिसर स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में रजत महोत्सव विशेष छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल द्वारा प्रकाशित 'ऊजार्वान छत्तीसगढ़' कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। यह काफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना तथा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल एवं उसकी उत्तरवर्ती पावर कंपनियों की 25 वर्षों की गौरवमयी यात्रा, उपलब्धियों और विकास गाथा पर आधारित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह कॉफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक परिवर्तनों, अधोसंरचना विकास, नवाचारों और जनसेवा आधारित कार्यों का सजीव दस्तावेज है। कॉफी टेबल बुक में छत्तीसगढ़ राज्य ने ऊर्जा क्षेत्र में सुदृढ़ नियोजन, आधुनिक तकनीक और उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियों को शामिल किया गया है और सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना से लेकर 32 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता, कोयला खनन के सुदृढ़ संचालन और राज्यव्यापी पारेषण- वितरण ढांचे के विस्तार तक बिजली क्षेत्र में व्यापक सुधार को प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल की टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण, प्रतिबद्धता और योगदान की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी सुबोध कुमार सिंह, ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन तथा डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी रोहित यादव, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर सहित वरिष्ठ अधिकारी जे.एस. नेताम, संजीव सिंह एवं आशुतोष जायसवाल उपस्थित थे।

साय सरकार की प्रथम कैबिनेट के दो वर्ष पूर्ण: 18 लाख पीएम आवास को दी गई थी स्वीकृति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी प्रथम मंत्रिपरिषद बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 18 लाख आवासों की स्वीकृति के निर्णय के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में 10,000 आजीविका डबरी निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कवर्धा जिले के जनमन आवास योजना के हितग्राहियों तथा नारायणपुर जिले के आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के लिए संचालित विशेष परियोजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को आजीविका डबरी के स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारीक सिंह, प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालक एवं आयुक्त महात्मा गांधी नरेगा तारन प्रकाश सिन्हा तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री भीम सिंह उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वर्ष 2016 से 2026 की अवधि के लिए 26.27 लाख आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 24.37 लाख आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 17.14 लाख आवास पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में मात्र दो वर्षों में लगभग 8 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है, जो योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को दशार्ता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विगत दो वर्षों के अल्प कार्यकाल में ही लगभग 8 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। यह उपलब्धि राज्य में आवास निर्माण की गति को दशार्ती है। विशेष रूप से पिछले 6 महीनों में प्रतिदिन औसतन 2000 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया, जो प्रशासनिक दक्षता और सतत निगरानी का परिणाम है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का शुभारंभ अप्रैल 2016 में किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराना है। इस योजना के अंतर्गत प्रति आवास 1.20 लाख रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही, योजना का अन्य योजनाओं से अभिसरण किया गया है, जिसके तहत मनरेगा से 90 दिवस की मजदूरी तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) से 12 हजार रूपए की सहायता शौचालय निर्माण हेतु दी जाती है, जिससे हितग्राही को संपूर्ण आवास सुविधा प्राप्त हो सके। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत प्रदेश में 10,000 आजीविका डबरी निर्माण का कार्य मोर गांव-मोर पानी महाअभियान के अंतर्गत क्रियान्वित किया जा रहा है। इन डबरियों का निर्माण पात्र हितग्राहियों की निजी भूमि पर किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राही भी सम्मिलित हैं। सभी डबरियों को मई 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बीएनएस, बीएनएसएस, एनडीपीएस एक्ट व पाक्सो एक्ट पर हुई दिवसीय कार्यशाला

0 न्यायाधीशों ने दी अपराधों की विधिवत् विवेचना, पुख्ता साक्ष्य संकलन की जानकारी 0 जिपं सभाकक्ष में हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अपराध विवेचना की गुणवत्ता बढ़ाने और साक्ष्य संकलन को मजबूत करते हुए आरोपियों को सजा दिलाने को लेकर रविवार को यहां जिला पंचायत के सभाकक्ष में बीएनएस, बीएनएसएस, एनडीपीएस एक्ट व पाक्सो एक्ट की एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर द्वारा किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एस.जयवर्धन, न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह, सुमित कुमार हर्षमाना, आनंद प्रकाश वारियाल, एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर मौजूद रहे। कार्यशाला में न्यायाधीशगण द्वारा नवीन कानूनों, प्रमुख धाराओं और कानूनी प्रक्रियाओं की बारीकियों से पुलिस अधिकारी व विवेचकों को अवगत कराया गया। विवेचकों के द्वारा विवेचना से जुड़े प्रश्नों को समाधान न्यायाधीशगण द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर ने कहा कि अपराध की विवेचना में त्रुटियां न हो यह सुनिश्चित करने यह कार्यशाला उपयोगी साबित होगी। विवेचकों में विवेचना के प्रति ज्ञान बढ़ेगा और पीड़ितों को न्याय व आरोपियों को सजा दिलाने में कारगर साबित होगा। उन्होंने विवेचना में एफआईआर से लेकर चालान पेश करने तक क्या-क्या कार्यवाही सुनिश्चित की जानी है, खामियां कहा होती है और विधिवत् तरीके से विवेचना पूर्ण करने जरूरी मार्गदर्शन दिए।कलेक्टर श्री जयवर्धन ने कहा कि इस कार्यशाला से विवेचकों को लाभ होगा और विवेचना के स्तर में सुधार आएगा तथा अपराध करने वाले आरोपी सजा के दायरे में लाए जा सकेंगे। प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव में एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों में चूक हो जाती है जिसका फायदा अभियुक्त को मिलता है। उन्होंने एनडीपीएस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर सही तरीके से अनुसंधान की जानकारी दी। एनडीपीएस मामलों से जुड़ी चेकलिस्ट को साथ रखने कहा ताकि त्वरित कार्रवाई करने में सहूलियत हो। उन्होंने एनडीपीएस एक्ट की प्रमुख धाराओं और कानूनी प्रक्रियाओं, जांच की गुणवत्ता बढ़ाने और साक्ष्य संकलन को मजबूत करने मार्गदर्शन दिया।द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुमित कुमार हर्षमाना ने नवीन कानून बीएनएस, बीएनएसएस के

प्रावधानों को बताया और कहा कि विवेचना में प्रक्रियात्मक खामियां न करें, सबूतों को सही ढंग से इकट्ठा करें, डिजिटल साक्ष्यों को बारीकी से प्राप्त करें ताकि साक्ष्य मजबूत हो और अपराधी को दण्ड मिल सकें। सात साल या उससे अधिक सजा वाले सभी अपराधों में फोरेंसिक जांच की अनिवार्यता के बारे में बताया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल के द्वारा पाक्सो एक्ट एवं जे.जे.एक्ट के महत्वपूर्ण प्रावधानों को बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे की संवेदनशीलता, गोपनीयता और सर्वोत्तम हितों को प्राथमिकता दे, बच्चे के बयान को संवेदनशील तरीके से रिकॉर्ड करें,अभिभावक या भरोसेमंद व्यक्ति की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए और सभी पुख्ता सबूतों के साथ मामले की विवेचना पूर्ण करें। कार्यशाला के आयोजक व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने उपस्थित विवेचकों को कहा कि कार्यशाला से प्राप्त मार्गदर्शन का उपयोग बेहतर अपराध अनुसंधान में करें। कार्यशाला के माध्यम से न्यायाधीश का मार्गदर्शन पुलिस को तकनीकी बारीकियों को समझने, कानूनी रूप से मजबूत विवेचना में मददगार साबित होगा। उन्होंने विवेचकों को जांच की गुणवत्ता बढ़ाने और मजबूत साक्ष्य संकलन कर अभियोग पत्र पेश करने कहा ताकि पीड़ित को न्याय और दोषी को सजा मिल सके। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, आभार डीएसपी अनूप एक्का ने किया। इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैंकरा, डीएसपी रितेश चौधरी, जिले थाना-चौकी प्रभारी सहित 141 विवेचक मौजूद रहे।

एसआईआर के तहत कलेक्टर ने मतदान केंद्रों के बीएलओ से ली जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा एसआईआर के तहत नपं क्षेत्र जरही के मतदान केंद्र क्र. 263, 264, 265 एवं 267 तथा ग्राम दवनकरा के मतदान केंद्र क्र. 197 एवं 198 के बीएलओ से लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई।कलेक्टर ने संबंधित बीएलओ को निर्देशित किया कि चिन्हित प्रविष्टियों का पुन: सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही एएसडी सूची को बीएलए के साथ साझा करने तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती ललिता भगत उपस्थित रहीं। कलेक्टर ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी अधिकारी इस कार्य को शीघ्र एवं गंभीरता से पूर्ण करें।

जिला प्रशासन ने अब तक किया 3376.6 क्विंटल धान जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में अवैध धान भंडारण, खरीदी एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा अब तक 3376.6 क्विंटल धान जप्त किया जा चुका है। इसी क्रम में ग्राम डबरीपारा के अजय कुमार साहू के दुकान एवं गोदाम में बिना लाइसेंस अवैध रूप से धान खरीदकर भंडारित किए जाने पर 270 बोरी करीब 108 क्विंटल तथा शिवबरन सिंह के दुकान, गोदाम एवं आंगन में खरीदकर भंडारित किए गए 740 बोरी लगभग 296 क्विंटल धान जप्त किया गया है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले की सीमाओं एवं सभी चेक पोस्टों पर अवैध धान भंडारण एवं परिवहन को रोकने के लिए 24 घंटे सतत निगरानी की जा रही है। संदिग्ध वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। आंतरिक चेक पोस्टों पर भी टीमों की तैनाती की गई है। निगरानी दल द्वारा रात्रिकालीन गश्त के साथ-साथ संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जा रही है।

कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध रूप से धान खपाने की घटनाओं पर रोक लगाने तथा धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है, जिससे खरीदी, भंडारण एवं परिवहन की रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सकेगी।

प्रतापपुर धान खरीदी केंद्रों के निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर

किसानों से चर्चा कर उनके सुझावों पर संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर क्षेत्र के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का सोमवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रतापपुर ललिता भगत एवं खाद्य अधिकारी संदीप भगत भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र सोनगरा, दवनकरा एवं चंदौरा केंद्र का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं जैसे तौल व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, छाया एवं साफ-सफाई की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान विक्रय हेतु आने वाले सभी किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने मौके पर उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी प्रतिक्रिया जानी तथा प्राप्त सुझावों के आधार पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मनरेगा के तहत डबरी निर्माण होने से बसंत की आजीविका को मिला बढ़ावा

उत्पादन बढ़ने के साथ आय के साधन में हुई वृद्धि

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले से 65 किलोमीटर दूरी पर विकासखण्ड शंकरगढ़ का ग्राम पंचायत दोहना के निवासी श्री बसंत जो मनरेगा के तहत डबरी निर्माण से अपनी आय में वृद्धि कर रहे है। बसंत बताते हैं कि पहले बारिश के पानी से ही अपनी खेती-बाड़ी का कार्य करते थे। उन्हें प्रत्येक वर्ष बेमौसम बारिश और पानी की कमी के कारण खेती करने में मुश्किल हो रही थी। पानी की कमी के कारण उनके जैसे कई अन्य किसान भी पर्याप्त फसल नहीं ले पाते थे। ग्राम सभा के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत व्यक्तिगत व हितग्राही मूलक कार्य जैसे डबरी निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी ग्रामीणों को दी गई। जिसमें बताया गया कि मनरेगा योजना से हितग्राही मूलक कई कार्य किए जा सकते हैं। डबरी निर्माण होने से फसल उत्पादन ज्यादा किया जा सकता है। जिस पर बसंत ने डबरी निर्माण का लाभ लेने हेतु आवेदन ग्राम पंचायत में ग्रामसभा में जमा कराया। स्वीकृति होने के पश्चात् कार्य को प्रारम्भ किया गया और ग्राम दोहना में कृषि डबरी (फार्म पोंड) का निर्माण संपन्न हुआ।

बसंत बताते हैं कि उनके पास 2.5 एकड़ भूमि है। जिसमें अब फसल लेने में आसानी हो रही है। श्री बसंत ने बताया कि पूर्व में मेरी जमीन में कुछ भी फसल नहीं हो रही थी जिसके कारण पूरे खेत में सिंचाई सही तरीके से नहीं हो पा रही थी। जिससे फसल के उत्पादन में कमी हो रही थी। पशुओं के लिए पेयजल का स्त्रोत नहीं था, लेकिन अब डबरी निर्माण होने से मेरी आर्थिक स्थिति में बहुत सुधार आया है। वर्तमान में सिंचाई सुविधा होने से रबी और खरीफ दोनों फसलें ले रहे हैं। वे कहते हैं कि फसल उत्पादन कर बेहतर कृषि करते हुए अपने आर्थिक स्थिति में सुधार महसूस कर रहा हूं। श्री बसंत ने डबरी में मत्स्य पालन की शुरुआत की है जिससे अतिरिक्त आय की संभावना है। श्री बसंत डबरी निर्माण के महत्व को बताते हुए अन्य लोगों को भी लाभ लेने प्रोत्साहित कर रहे हैं।

महतारी वंदन योजना से बदलते हालात, हर महीने की तय राशि ने आसान किया जीवन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्राम बुलगांव में श्रीमती रिंकू सिंह की सुबह पहले जैसी ही होती थी जहां काम की चिंता, खर्चों का हिसाब और बच्चों की जरूरतों की लंबी सूची। लेकिन जब श्रीमती रिंकू सिंह के खाते में हर महीने एक निश्चित तारीख को हजार रुपये आने लगे, तो अब घर का राशन अधूरा नहीं रहता और बच्चों की पढ़ाई के छोटे-छोटे खर्च समय पर पूरे हो जाते हैं।

विकासखंड बलरामपुर के ग्राम बुलगांव में खेती-बाड़ी से घर चलाने वाली श्रीमती रिंकू सिंह के लिए छोटी जरूरतें अक्सर बड़ी परेशानी बन जाया करती थीं। लेकिन अब हालात बदले हैं। वे कहती हैं कि राशन लाते समय अब मन में डर नहीं

रहता। अब किसी से उधार मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ती। जरूरत होने पर अपने पैसे काम आ जाते हैं। बच्चों को कॉपी-किताब चाहिए हो या घर में कोई जरूरी सामान, अब सोच-विचार कम करना पड़ता है। क्यों कि महतारी वंदन योजना से हर महीने मिलने वाली राशि से सहारा मिला है। रिंकू कहती है कि महतारी वंदन योजना ने केवल खर्चों का हल नहीं दिया, बल्कि जीवन जीने का तरीका बदल दिया है। घर में फैसलों में उनकी हिस्सेदारी बढ़ी है और अब चिंता की जगह आत्मविश्वास है। महतारी वंदन योजना से रिंकू सिंह जैसी कई महिलाओ को सही समय पर मिला छोटा सा सहारा भी उनके जीवन को नई दिशा दे रहा है और उनके उज्ज्वल भविष्य की नई कहानी गढ़ रहा है।

प्रदेश में नई गाइडलाइन दरें लागू : ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में दरों का वैज्ञानिक युक्तिकरण, निवेश और पारदर्शिता को मिलेगा बढ़ावा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शासन ने वर्ष 2025-26 के लिए भूमि की नई गाइडलाइन दरें जारी कर दी हैं। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक के निर्देश पर केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा अनुमोदित ये दरें 20 नवंबर 2025 से पूरे प्रदेश में प्रभावी हो गई हैं। वर्ष 2019-20 के बाद छह वर्ष के अंतराल पर किया गया यह पुनरीक्षण ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए व्यापक एवं जन हितैषी सुधार लेकर आया है।

नई गाइडलाइन दरों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जमीन के वास्तविक बाजार मूल्य को परिलक्षित करना तथा वर्षों से चली आ रही दरों की विसंगतियों को दूर करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य मार्ग पर औसतन 109 प्रतिशत और मुख्य मार्ग से अंदर औसतन 105 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि अचानक बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि विभिन्न ग्रामों के बीच दरों के वैज्ञानिक रेशनलाइजेशन का परिणाम है। बलरामपुर जिले में कई ऐसे गांव सामने आए हैं जहाँ पूर्व गाइडलाइन की दरें वास्तविक बाजार मूल्य से काफी कम थीं। उदाहरण स्वरूप वर्ष 2019-20 में ग्राम ताम्बेश्वरनगर का मुख्य मार्ग दर 6,28,677 रुपये प्रति हेक्टेयर था, जबकि समीपस्थ ग्राम आरागाही का दर 34,27,200 रुपये प्रति हेक्टेयर था। दोनों गांव एनएच-343 के समीप स्थित हैं। दरों के युक्तिकरण के बाद ताम्बेश्वर नगर का मुख्य मार्ग दर 51,52,000 रुपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित किया गया, जिससे 719 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह, कई अन्य ग्रामों में भी दरों में 300 प्रतिशत से अधिक वृद्धि रिकॉर्ड की गई है। ग्राम लूरघुट्टा में मुख्य मार्ग पर 711 प्रतिशत एवं अंदर की ओर 413 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार ग्राम नावाडीह में मुख्य मार्ग पर 568 प्रतिशत तथा अंदर 326 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। दोनों ही गांव एनएच-343 से लगे हुए हैं और तातापानी जैसे पर्यटन एवं व्यवसायिक क्षेत्र के समीप स्थित होने के कारण निवेश की संभावनाओं को देखते हुए दरों का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक था। ग्राम भवानीपुर में भी मुख्य मार्ग पर 554 प्रतिशत तथा अंदर 411 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह गांव निवेश क्षेत्र में आता है तथा वर्ष 2019-20 में इसका बाजार मूल्य समीपस्थ ग्राम नवाडीह खुर्द की तुलना में काफी कम था। दोनों गांवों का रेशनलाइजेशन करने पर यह वृद्धि स्वाभाविक रूप से सामने आई है। इसी तरह, रामचन्द्रपुर, जो विकासखण्ड मुख्यालय है तथा स्टेट हाईवे से होकर गुजरता है, वहां भी मुख्य मार्ग पर बाजार मूल्य में 300 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। यहां सर्वे दर भी प्रति हेक्टेयर 42,45,000 रुपये होने के कारण मूल्य संशोधन आवश्यक था।

शहरी क्षेत्रों में भी इस वर्ष गाइडलाइन दरों का व्यापक पुनरीक्षण किया गया है। बलरामपुर जिले के सभी नगरीय निकायों में मुख्य मार्ग तथा अंदरूनी क्षेत्रों में औसतन 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बलरामपुर नगर में अधिकांश वार्ड छ्भ-343 से लगे हुए हैं। वर्ष 2019-20 में कई वार्डों में एक ही मार्ग पर बाजार मूल्य में बड़ा अंतर पाया गया था, जो स्पष्ट रूप से विसंगतिपूर्ण था। इस विसंगति को दूर करने के लिए नगर पालिका एवं संबंधित हल्का पटवारियों द्वारा नए परिसीमन के आधार पर वार्डवार गाइडलाइन दरों का पुनर्निर्धारण किया गया।

उदाहरणस्वरूप, वार्ड 01 (रविन्द्र प्रताप सिंह वार्ड) में प्रति वर्गमीटर दर 5740 रुपये था, जबकि इसी मुख्य मार्ग पर स्थित वार्ड 03 में यह दर मात्र 1830 रुपये प्रति वर्गमीटर था। नई गाइडलाइन में इन त्रुटियों को पूरी तरह दूर कर दोनों वार्डों की दरों को वास्तविक बाजार स्थिति के अनुरूप बनाया गया है।

पिछले पाँच वर्षों में बढ़ती जनसंख्या, आवासीय भूखंडों की बढ़ती मांग, व्यवसायिक गतिविधियों का विस्तार और शहरीकरण के तेज़ी से बढ़ते असर को ध्यान में रखते हुए बलरामपुर जिले के नगरीय क्षेत्रों में दरों के पुनरीक्षण की आवश्यकता महसूस की गई। इसके लिए नगर पालिका के कर्मचारियों, पटवारियों और गूगल मैप के आधार पर वार्डवार नई कण्डिकाएँ तैयार की गईं।

नगरीय क्षेत्रों में आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विशेषकर बलरामपुर नगर में बढ़ती आबादी, नए व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार के कारण बाजार मूल्य में स्वाभाविक बढ़ोतरी हुई, जो अब गाइडलाइन दरों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नई गाइडलाइन दरें छत्तीसगढ़ के भूमि बाजार को अधिक पारदर्शी, न्यायसंगत और निवेश-अनुकूल बनाएंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को भूमि अधिग्रहण के समय सही मुआवजा मिलेगा, वहीं शहरी क्षेत्रों में सुव्यवस्थित विकास को गति मिलेगी। भूमि मूल्य का यह वैज्ञानिक रेशनलाइजेशन राज्य के समग्र आर्थिक विकास को एक मजबूत आधार प्रदान करेगा।

655 बोरी अवैध धान सहित जब्त 6 वाहन जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन में जिले में अवैध धान परिवहन के पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में राजस्व एवं संयुक्त टीम के द्वारा दो अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 655 बोरी अविध धान को जब्त किया गया है।

ग्राम महादेवपुर में जनपद पंचायत रामचंद्रपुर जनपद सीईओ श्री रणवीर साय, तहसीलदार श्री अश्विनी चंद्रा, नायब तहसीलदार श्री आई. सी. यादव एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा उत्तरप्रदेश की ओर से आ रहे 4 ट्रैक्टर को रोककर पूछताछ की गई। जांच के दौरान ट्रैक्टरों में 520 बोरियां अवैध धान परिवहन करते हुए पाया गया। जिसे जब्त कर संबंधित वाहनों सहित थाना डिंडो में सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार ग्राम डूमरपान में भी प्रशासनिक टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए 2 पिकअप वाहनों को रोका गया जिनमें लगभग 135 बोरियां धान अवैध रूप से परिवहन की जा रही थी, जिसे जब्त कर थाना सनावल में सुपुर्द किया गया।

जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में 610296.80 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य जारी है और खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उर्पाजन में अब तक कुल 610296.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। साथ ही 1400 क्विंटल धान मीलिंग हेतु राईस मिलरों द्वारा उठाव कर लिया गया है। कलेक्टर के निर्देशानुसार अवैध धान पर लगातार कार्यवाही भी की जा रही है। जिले के सहकारी समिति कपिलदेवपुर में 7906.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 6425.60, कुसमी में 9916, जवाहरनगर में 5862.80, कामेश्वरनगर में 27560, कोदवा 3177.40, गोपालपुर में 8608.80, भेंडरी 5502.80, चांदो में 19656.40, जमड़ी में 25550, जिगड़ी में 5306, जोकापाट (भरतपुर) में 2557.60, डूमरपान में 14199.20, डिण्डो में 18468.40, डीपाडीह में 7376.40, डोंगरो में 7761.60, गांजर में 5909.20, त्रिकुण्डा में 17078.40, बगरा में 10317.60, तातापानी में 13718.40, धंधापुर में 16423.60, डौरा में 10246, पस्ता में 6328, बड़कागांव में 20220.80, बरतीकला में 15635.20, बरदर में 11388.80, आरा में 4749.60, बरियों में 15702, बलंगी में 11492.40, बलरामपुर में 17303.60, बसंतपुर में 17336, भुलसीकला में 4130.40, भंवरमाल में 22299.20, रामानुजगंज में 13499.60, महाराजगंज में 22118.80, महावीरगंज में 11192.40, विजयनगर में 19422.80, रघुनाथनगर में 12280.80, रनहत में 8344, राजपुर में 22165.20, दोलंगी 9765.60, रामचन्द्रपुर में 7012.80, रामनगर में 16680.80, वाड्रफनगर में 9710.40, स्याही में 11242.80, विरेन्द्रनगर में 20884.80, सरना में 13316, सेवारी में 13658.80 एवं सामरी में 2893.20 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

सिकल सेल स्क्रीनिंग की धीमी प्रगति पर नाराज हुए कलेक्टर

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कहा-आधार आधारित उपस्थिति से मिलेगा वेतन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, मेडिकल कॉलेज संबद्ध चिकित्सालय अंबिकापुर के अधिष्ठाता, संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, कार्यपालन अभियंता सीजीएमएससी सहित समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, डीपीएम, बीपीएम, सेक्टर प्रभारी, मितानिन समन्वयक, कार्यक्रम समन्वयक एवं स्वास्थ्य विभाग से संबद्ध एनजीओ संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी अस्पतालों एवं कार्यालयों में एक जनवरी 2026 से शत-प्रतिशत आधार आधारित उपस्थिति लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधार आधारित उपस्थिति पर ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन जारी किया जाएगा। प्रत्येक माह की 24 से 26 तारीख तक उपस्थिति विवरण विभाग प्रमुख के हस्ताक्षर सहित प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने सभी कार्यालयों में एक जनवरी से ई-ऑफिस के माध्यम से फाइल संचालन एवं नेक्स्टजेन-ई अस्पताल प्रणाली को पूर्ण प्रभावशील करने कहा है। उन्होंने जिले में सिकल सेल स्क्रीनिंग की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए लक्ष्य के अनुरूप ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित करने को कहा। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड की ऑनलाइन एंट्री शीघ्र पूर्ण करने तथा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चिन्हांकित 13 बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर उच्च संस्थानों में उपचार हेतु भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की गई। वंदना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बिजली लाइन विस्तार, भगवानपुर बाहरी स्वास्थ्य केंद्र में बिजली व सड़क कनेक्टिविटी, उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस की आवश्यकता, बतौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पेयजल समस्या, मैनपाट-नर्मदापुर व सिंगिटाना क्षेत्र में लो-वोल्टेज की समस्या सहित अन्य विषयों पर आवश्यक निर्देश दिए गए।

नर्सिंग होम व सोनोग्राफी सेंटरों का नियमित निरीक्षण करें

बैठक में जिले में संचालित सभी नर्सिंग होम एवं 82 सोनोग्राफी सेंटरों के नियमित निरीक्षण के निर्देश कलेक्टर ने दिए। उन्होंने स्वयं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के साथ निरीक्षण करने तथा अनियमितता पाए जाने पर नोटिस जारी कर तत्काल कार्रवाई करने कहा है। साथ ही बीएमओ को अपने क्षेत्र में प्रत्येक 15 दिन में निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

एल.टी.टी. सर्जन का अभाव, सूरजपुर जिले से लें प्रशिक्षण

परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत एल.टी.टी. सर्जन के अभाव को देखते हुए सूरजपुर जिले से प्रशिक्षण लेने के निर्देश दिए गए। शिशु स्वास्थ्य के लिए पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, कुष्ठ उन्मूलन, मलेरिया नियंत्रण, अंधत्व निवारण कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए संबंधित विकासखंडों को शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए गए।

हेल्थ हाइजीन सिस्टम के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं

शहरी स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत अंबिकापुर चौपाटी के पास निर्माणाधीन हेल्थ हाइजीन सिस्टम कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने कलेक्टर ने कहा। सीजीएमएससी को भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण लंबित कार्यों की सूची, स्वीकृत निर्माण कार्यों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने साथ ही एनएचएम एवं सीजीएमएससी के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों में लंबित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने, उपयोगिता प्रमाण पत्र यूसी/सीसी उपलब्ध कराने, निर्धारित राशि का समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करने कहा।

पूरी इच्छा से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं

कलेक्टर ने कैंसर मरीजों के लिए मेडिकल कॉलेज में दवा उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं पुनः लेने कहा। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने, योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। चिकित्सा अमले को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपका प्राथमिक कार्य मानव सेवा है पूरी इच्छा से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं।

पटवारी को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीण पहुंचे कलेक्टर के जनदर्शन में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धौरपुर तहसील अंतर्गत लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम डूमरडीह निवासी पहाड़ी कोरवाओं ने हल्का नंबर 8 के पटवारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं, और उसका स्थानांतरण अन्यत्र करने की मांग सरगुजा कलेक्टर के जनदर्शन में आवेदन देकर की है।

पहाड़ी कोरवा सोहन साय, एतवा, सुखलाल सहित अन्य ने कलेक्टर सरगुजा के नाम दिए गए शिकायत पत्र में उल्लेख किया है कि देवलाल मिंज, पटवारी हल्का नंबर 8 पिछले कई वर्षों से ग्राम डूमरडीह में पदस्थ है, जो गांव के ग्राम ककनी का मूल निवासी है। इसके द्वारा गांव के लोगों से आपसी रंजिश का बदला लेने का काम किया जा रहा है। आरोप है कि स्थानीय निवासी होने और पटवारी होने का लाभ लेकर वह आपसी रंजिश की भावना रखकर लोकसेवक होने के बाद भी लोकहित में कोई कार्य नहीं कर रहा है। इनके द्वारा कृषकों के फौती नामांतरण, सीमांकन तथा आपसी बंटवारा में बिना रिश्वत के कोई कार्य नहीं किया जाता है। वहीं निष्पक्ष कार्य नहीं करने से ग्रामीण परेशान हैं। ग्राम में बसे राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र, पहाड़ी कोरवाओं के शासकीय कब्जे की जमीन को अपने नजदीकी लोगों व रिश्तेदारों को बलपूर्वक कब्जा दिलवाने का आरोप लगाया गया है। यह भी बताया गया है कि पटवारी के द्वारा ग्रामीणों को आपस में लड़ा-भिड़ाकर जमीन विवाद कराया जाता है, बाद में जमीन नापने के नाम पर रुपये की उगाही की जाती है, जिससे गांव में अशांति का माहौल बन रहा है। लोकहित में पटवारी देवलाल मिंज को तत्काल हटाने की मांग की गई है।

सहायिका को बना दिया आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, नियुक्ति गलत तरीके से करने का आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बतौली विकासखंड के बिलासपुर आंगनबाड़ी केन्द्र में अनुचित तरीके से सहायिका की कार्यकर्ता के पद पर पदोन्नति को निरस्त करने की मांग ग्रामीणों ने की है। सोमवार को कलेक्टर के जनदर्शन में दिए गए शिकायत पत्र में नियुक्ति की जांच करवाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत बिलासपुर के आंगनबाड़ी केन्द्र उरांवपारा में कार्यकर्ता का पद खाली था, जिस पर भर्ती की जानी थी। यहां परियोजना अधिकारी के द्वारा अवैध तरीके से 8वीं पास सहायिका को पदोन्नति दे दिया गया। इसकी शिकायत बीते 2 दिसम्बर को परियोजना अधिकारी से करने के बाद भी किसी प्रकार की जांच, कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने परियोजना अधिकारी पर मोटी लेकर सहायिका को कार्यकर्ता के पद पर नियम विरूद्ध पदोन्नत करने का आरोप लगाया है, और कहा है कि आंगनबाड़ी केन्द्र उरांवपारा ग्राम बिलासपुर में सम्पती सोनवानी की पदोन्नति गलत तरीके से की गई है। ग्रामीणों ने भर्ती प्रक्रिया नियमों के तहत पारदर्शी तरीके से करवाने का आग्रह किया है। इस संबंध में गांव के सरपंच अरूण कुमार और पंचों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से पंचायत ने प्रस्ताव भी पास किया है। कलेक्टर के जनदर्शन में शिकायत करने पहुंचे ग्रामीणों के साथ पंचायत के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

छात्रहित की मांगों को लेकर युवा कांग्रेस मिला विश्वविद्यालय के कुलपति से

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। युवा कांग्रेस आरटीआई विभाग के चेयरमैन हिमांशु जायसवाल के नेतृत्व में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले से मुलाकात करके छात्रहित में ज्ञापन सौंपा और बताया कि प्राइवेट परीक्षा देने वाले बहुत से छात्र आवेदन नहीं कर सके हैं, उन्होंने आवेदन के समयसीमा को बढ़ाने की मांग की। इसके अलावा विश्वविद्यालय में छात्र सहायता एंड्रायड ऐप बनाने कहा जिससे छात्रों को समस्त जानकारी एक क्लिक ऑप्शन से मोबाइल में मिल सके। छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए भकुरा में पुलिस चौकी, एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने के लिए पहल करने का आग्रह किया गया, जिससे सुरक्षा और उपचार की सुविधा मिल सके। साथ ही हिमांशु ने कहा कि अगर विश्वविद्यालय की गलती से छात्र को विश्वविद्यालय भटकना पड़ा तो उनके आने-जाने का ट्रैवलिंग अलाउंस विश्वविद्यालय को देना होगा। कुलपति ने छात्रहित में जल्द ही मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान सुरेंद्र गुप्ता, आयुष गुप्ता, कृष्ण यादव, प्रमोद जायसवाल, सत्यम यादव, अभिनव काशी, युगराज, राहुल उपस्थित रहे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव तहसील भटगांव
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्र.174 ब- 121/2025

आम जनता ग्राम अनरोखा को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रसादी सिंह आ0 स्व0 हरिधन जाती चेरवा निवासी ग्राम खोपा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर द्वारा अपने पिता स्व. हरिधन मृत्यु दिनांक 14/02/2023 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने पुत्र/पुत्री/माता/पिता का जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत् शुल्क अदा कर चालान की प्रति शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 17/12/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 24/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालय की परमुद्रा से जारी किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव तहसील भटगांव

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202512020700040/
विषय-अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सत-2025-2026 अंबिकापुर (प ह न. 00015), पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- सूरज कुमार कश्यप, अनावेदक पक्षकार - राम प्रसाद,

ईश्तहार

आवेदक सूरज कुमार कश्यप आ. राम प्रसाद कश्यप व अन्य निवासी वार्ड क्रमक 20 प्रतापपुर रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1918/6, 1918/10, 1919/7, 1919/11 रकबा 0.018, 0.009, 0.00.4, 0.004 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक भूमिस्वामी रामप्रसाद का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 29.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/12/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर

आभूषण दुकान में बुर्का पहनकर घुसे चोर ने इलेक्ट्रिक सिस्टम को ध्वस्त किया

चोरी की मंशा नहीं हुई पूरी, दुकान संचालक ने सीसीटीव्ही खंगाला तो नजर आया चोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर के सदर रोड स्थित जगदम्बा आभूषण भंडार में दो दिन पूर्व रात को लगभग 11.30 बजे बुर्का पहनकर घुसे चोर ने चोरी का प्रयास किया। घटना की जानकारी दुकान संचालक को रविवार को देर शाम हुई। इसकी सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई है।

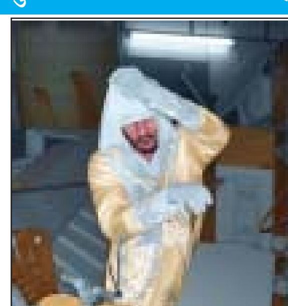

जानकारी के मुताबिक सदर रोड में स्थित जगदम्बा आभूषण भंडार के संचालक व स्टाफ रोजाना की भांति 13 दिसम्बर, शनिवार को अपना कारोबार समेटकर रात लगभग 9.30 बजे घर चले गए थे। 14 दिसम्बर, रविवार को दुकान संचालक व कर्मचारी दुकान पहुंचे तो एक फेस में बिजली नहीं थी। दुकान संचालक ने सोचा, लाइट गोल होगा, इसके बाद सभी अपने काम पर लग गए। दिनभर दुकान के संचालक व कर्मचारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। देर शाम तक जब लाइट नहीं आई तो उन्होंने एक बिजली मैकेनिक को बुलाया। मैकेनिक जब लाइन चेक करने के लिए दुकान के प्रथम तल पर गया तो पाया कि सीसीटीवी कैमरा व बिजली के मेन लाइन का तार कटा हुआ था। मैकेनिक ने मुख्य बिजली लाइन में शॉर्ट-सर्किट होने की संभावना जताते हुए इसकी जानकारी दुकान के संचालक को दी थी। संभावना और संदेह की स्थिति का निराकरण करने के लिए जब दुकान में लगे सीसीटीव्ही कैमरे का रिकार्ड चेक किया गया, तो पता चला कि 13 दिसम्बर की रात लगभग 11.33 बजे एक युवक बुर्का पहनकर छत के रास्ते से दुकान में प्रवेश किया और बिजली लाइन से छेड़छाड़ करने किया था। वीडियो में संदिग्ध युवक दुकान में प्रवेश करते और बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहा था, लेकिन दुकान में चोरी करने की मंशा में वह सफल नहीं हो पाया।

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया

दुकान संचालक कृष्णा सोनी ने बताया कि उनके दुकान के बगल में निर्माण कार्य चल रहा है, उसी रास्ते से होकर चोर दुकान में प्रवेश किया होगा। बुर्का पहनकर दुकान के अंदर घुसने का प्रयास और बिजली के मुख्य लाइन से छेड़छाड़ का नजारा सीसीटीवी में कैद होने के बाद दुकान संचालक की ओर से इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई है। चोरी के असफल प्रयास की सूचना पर पुलिस ने सोमवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच के बाद अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

आभूषण दुकान के सीसीटीव्ही में जिस चोर की तस्वीर कैद हुई है, उसके स्थानीय होने की संभावना कम है। चोरी की कोशिश के पूर्व रेकी की संभावना को बल मिल रहा है। इस प्रकार की घटना को अकेले अंजाम देने की कोशिश करना असंभव प्रतीत हो रहा है। पुलिस टीम अग्रिम जांच, विवेचना में जुटी है।

शिशिरकांत सिन्हा
टीआई कोतवाली

जनदर्शन में ग्रामीणों ने मांग, शिकायत और समस्याएं संबंधित दिए आवेदन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर जनदर्शन आयोजित हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न अंचलों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

जनदर्शन के दौरान राजस्व से जुड़े मामलों में जमीन, सीमांकन, पट्टा वितरण, फौती प्रकरण, भूमि अधिग्रहण एवं अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों के संचालन एवं बोर खनन से संबंधित आवेदन ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, निगम कमिश्नर डीएन कश्यप, उपायुक्त शारदा अग्रवाल एवं विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोटरसायकल की ठोकर से घायल वृद्ध की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। घर के सामने वृद्ध को अज्ञात मोटरसायकल का चालक ठोकर मारकर भाग गया, घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिला के प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम करंजवार निवासी अयोध्या गिरी 95 वर्ष, 13 दिसम्बर को अपने घर के सामने खड़ा था। वृद्ध का भतीजा पंकज गिरी काम करने के लिए प्रतापपुर गया था। इसी दौरान तेज रफ्तार में अज्ञात बाइक सवार वृद्ध को ठोकर मारकर भाग गया। गांव के सरपंच ने इसकी सूचना वृद्ध के भतीजा को दी और बताया कि घायल अवस्था में उन्हें प्रतापपुर स्वास्थ्य केन्द्र लेकर जा रहे हैं। इसकी सूचना मिलने पर पंकज गिरी अस्पताल पहुंचा, यहां उसके चाचा अयोध्या गिरी का इलाज चल रहा था। प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर घायल वृद्ध को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर स्वजन पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 14 दिसम्बर को शाम 5.50 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

दशमेश पब्लिक स्कूल के बच्चों ने नए कानूनों की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल ने नए कानून की जानकारी के लिए स्थानीय कला केंद्र मैदान में प्रदर्शनी लगाई है। इसी क्रम में सोमवार को दशमेश हायर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर स्कूल की शिक्षिका रूपा हालदार, विशेष दुबे भी उपस्थित हुए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को नए कानून के संबंध में विशेष जानकारी प्रदान करते हुए अपने लक्ष्य प्राप्ति हेतु सतत प्रयास करने एवं कड़ी मेहनत करने की समझाइश दी। उप निरीक्षक अभय तिवारी यातायात पुलिस ने कार्यक्रम में फैसलीटेशन किया। इस अवसर पर नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा की ओर से मंगल पाण्डेय, साहित्यकार संतोष दास सरल, रणधीर सिंह, जिला विधिक सहायता अभिकरण से पुष्य मित्र मल्तियार, प्रधान आरक्षक दलबीर सिंह व सिलास चंद्र एक्का, महिला आरक्षक ममता उपस्थित रहीं।

रामकिशुन सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनेंगे, मनोनयन की प्रक्रिया शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश में भाजपा सरकार के गठन के करीब दो सालों बाद जिला सहकारी एवं केंद्रीय बैंक सरगुजा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के मनोनयन की तैयारी है। अध्यक्ष पद पर रामकिशुन सिंह व उपाध्यक्ष पद के लिए जगदीश साहू के मनोनयन के लिए छत्तीसगढ़ के संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएं, रायपुर ने जानकारी मंगाई है। लंबे समय से सरगुजा सहकारी बैंक के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। सहकारी बैंक के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव कई वर्षों से नहीं कराया गया है। सरगुजा सहकारी बैंक के मनोनीत अध्यक्ष रामदेव राम को वर्ष 2023 में प्रदेश में सरकार बदलने के बाद हटा दिया गया था। दो वर्षों से सहकारी बैंक के अध्यक्ष का मनोनयन या निर्वाचन नहीं होने के कारण सरगुजा कलेक्टर सरकारी बैंक के प्राधिकृत अधिकारी मनोनीत किए गए थे। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के मनोनयन के बाद सहकारी बैंक के अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है।

सहकारी बैंक में हुए कई सुधार-पिछले दो वर्षों में सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर के प्राधिकृत अधिकारी रहने के दौरान सहकारी बैंक की प्रणाली में कई सुधार हुए हैं। जांच में करोड़ों रुपए की गड़बड़ी पकड़ी गई है। फर्जी केसीसी लोन के मामले सामने आए हैं। सहकारी बैंक की पांच जिलों में 31 शाखाएं हैं। इसके साथ ही 150 से अधिक सहकारी समितियां हैं। सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर ने ग्राहकों के लिए प्रिंटेड पासबुक की व्यवस्था उपलब्ध कराई है, जो पहले नहीं थी।

दो दशक में दो बाहर हुए चुनाव-वर्ष 2008 में तत्कालीन रमन सरकार के कार्यकाल में सहकारी बैंक का चुनाव कराया गया था। राजाराम भगत सहकारी बैंक के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। उनका पांच साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें फिर से अध्यक्ष मनोनीत कर दिया गया। वे वर्ष 2018 तक अध्यक्ष थे। वर्ष 2018 में सरकार बदलने के बाद राजाराम भगत को हटा दिया गया एवं रामदेव राम को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बाद में सहकारी बैंक के अध्यक्ष का चुनाव कराया गया, जिसमें रामदेव राम अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्हें वर्ष 2023 में सरकार बदलने के बाद हटा दिया गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर